संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 167
पृष्ठ 8
गुरूवार
06 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पुरुषों से ज्यादा क्यों जीती हैं महिलाएं?

विचार- लगी आग की जद में रक्षा खडसे

खेल- चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए ऑस्ट्रेलिया...

जिसकी जैसी दृष्टि, उसको वैसी ही सृष्टि महाकुंभ में देखने को मिली : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिसकी जैसी दृष्टि थी उसको वैसी ही सृष्टि प्रयागराज महाकुंभ में देखने को मिली। उन्होंने विधान परिषद में बजट पर चर्चा के दौरान यह भी कहा कि कई पार्टियां और संगठन इस आयोजन को लेकर अनर्गल बातें कर रहे थे लेकिन सरकार उनकी मौन साक्षी बनकर अपनी जिम्मेदारियां निभा रही थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''जब महाकुंभ का आयोजन हो रहा था उस समय हम लोग इस बात का अनुभव कर रहे थे कि बहुत सारे ऐसे माननीय सदस्य थे, या ऐसी पार्टियां थीं, ऐसे संगठन थे जो तमाम तरह के अनर्गल प्रलाप उस समय कर रहे थे लेकिन उस सबसे इतर रहकर के हम

लोग उन सभी घटनाओं के मौन साक्षी बनाकर अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन कर रहे थे। उनका कहना था, ''भगवान श्री कृष्ण ने भी श्रीमद् भागवत गीता में इस बात का उल्लेख किया है कि मुझे जो जिस रूप में स्मरण करता है मैं उसी रूप में उसको दिखाई देता हूं। मुझे लगता है कि जिसकी जैसी दृष्टि थी उसको वैसी ही सृष्टि प्रयागराज में देखने को मिली। आदित्यनाथ ने कहा कि कुंभ के बारे में चर्चा वही कर सकता है जिसने महाकुंभ का दर्शन किया हो और महाकुंभ की नगरी में जाकर जो साक्षात इस सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आयोजन में सहभागी बना हो। उन्होंने कहा, ''यह पहला आयोजन है जिसको पूरी दुनिया की मीडिया ने सराहा है। चाहे वह 'वॉल स्ट्रीट जर्नलश (अमेरिकी अखबार) हो, 'बीबीसी हो, 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून हो, रायटर हो, द गार्जियन हो, सीएनएन हो, इन सब ने इस महा आयोजन की तारीफ की। मुख्यमंत्री के अनुसार, महाकुंभ प्रयागराज हर उसे व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर छाता हुआ नजर आया है जो अपने आप में दुनिया का एक ''यूनीक इवेंट (अद्भुत आयोजन) बनकर लंबे समय तक दुनिया को अपनी ओर आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवाद है। अपने विचारों की अभिव्यक्ति मर्यादा के दायरे में हम अपनी अभिव्यक्ति को सदन के मंच पर रखें, इससे बड़ी दूसरी बात नहीं हो सकती है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य के बजट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष से जुड़े हुए सदस्यों ने जो रुचि ली है इस सदन के सामने अपने बहुमूल्य विचार रखे हैं मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं।

युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता पर्यटन : पीएम मोदी

बोले- बजट में विकसित भारत का खाका सामने आया

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट के बाद रोजगार पर वेब गोष्ठी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों में और नवाचार आधारित विषयों में निवेश करना विकसित भारत की रूपरेखा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बजट 2025-26 में विकसित भारत का खाका सामने आया है। इसमें बुनियादी ढांचे और कौशल विकास को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर सकता है। इस क्षेत्र को बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी बढ़ेगी। हमें प्रतिभा को बढ़ावा देने, कौशल विकास और नवाचार जैसे क्षेत्रों में अधिक निवेश करने की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एआई शोध के लिए एक राष्ट्रीय लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा और इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा जाएगा। रोजगार सृजन को महत्व देते हुए सरकार ने 2014 से अब तक तीन करोड़ युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि हमने इस बजट में 10 हजार अतिरिक्त मेडिकल सीटों की घोषणा की है। हम अगले 5 सालों में मेडिकल लाइन में 75 हजार सीटें जोड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में टेली-मेडिसिन सुविधा का विस्तार हो रहा है। डे-केयर कैंसर सेंटर और डिजिटल स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचा के जरिए हम गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को लास्ट माइल तक पहुंचाना चाहते हैं। मोदी ने कहा कि इस बजट में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई फैसले लिए गए हैं। देश भर में पर्यटन के लिए 50 गंतव्य पर फोकस करते हुए विकसित किया जाएगा।

स्लम इलाकों के लोगों से मिलेंगी दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता, बजट को लेकर करेंगी बात

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट को लेकर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता सरकार लगातार लोगों से राय ले रही है। इसी कड़ी में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि मैं स्लम इलाकों में जाकर बहनों और परिवारों से मिलूंगी, इस सरकार से उनकी क्या उम्मीदें हैं, इस बारे में उनसे बात करूंगी। युवाओं और अलग-अलग सेक्टर के प्रोफेशनल्स से चर्चा की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली का बजट लोगों की उम्मीदों को पूरा करेगा। हमने अपने घोषणा पत्र में जो भी वादे किए हैं,

उन्हें पूरा करेंगे, चाहे वह सभी महिलाओं को रुपये देने की योजना हो या सिलेंडर। सीएम ने साफ तौर पर कहा कि किसी को हमें यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि हमारा एजेंडा चलेगा, उनका (आप) नहीं। दिल्ली सरकार 24 से 26 मार्च के बीच विधानसभा में 2025-26 के लिए 'विकसित दिल्ली' बजट पेश करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''इसे जनता का बजट बनाने के लिए हम पांच मार्च को विधानसभा परिसर में विभिन्न महिला संगठनों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। इसके अलावा, हम छह मार्च को शिक्षा क्षेत्र के हितधारकों और व्यापारियों के साथ चर्चा करेंगे।'' उन्होंने एक ईमेल आईडी और एक व्हाट्सऐप नंबर भी साझा किया, जहां दिल्ली के निवासी बजट के लिए अपने सुझाव भेज सकते हैं। गुप्ता ने दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'संकल्प पत्र' में किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा और उनकी सरकार इस दिशा में युद्ध स्तर पर काम कर रही है। गुप्ता ने कहा कि विधानसभा में अब तक नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की केवल दो रिपोर्ट पेश की गई हैं और उनमें पहले ही पिछली आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ कई भ्रष्टाचार के आरोप उजागर हो चुके हैं।

भाजपा केवल नाम बदलने का काम करती है, कहीं हमारा और आपका नाम न बदल दें : शिवपाल यादव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भाजपा के एमएलसी और प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल ने मंगलवार को मुजफ्फरनगर का नाम बदलकर लक्ष्मीनगर रखने की मांग उठाई। बजट सत्र के दौरान मोहित बेनीवाल ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह जनभावना से जुड़ा हुआ मामला है और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी नेता शिवपाल सिंह यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। शिवपाल यादव ने भाजपा पर निशाना साधते

हुए कहा, भारतीय जनता पार्टी के लोग केवल नाम बदलने का काम करते हैं और कोई ठोस काम नहीं करते। वे सिर्फ नाम बदलते रहते हैं। अब यह देखना होगा कहीं हमारा और आपका नाम न बदल दें।'' उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उन्हें चाचू (चच्चू) कहकर संबोधित करने के मामले पर उन्होंने कहा, वह हमें चिढ़ाने के लिए ऐसे बोलते हैं। ताकि मैं खीजूं। हम समाजवादी लोग हैं और समाजवादी पार्टी के लोग कभी बदलते नहीं हैं। उनको बोलने दीजिए जो बोलते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा समाजवादी पार्टी पर लोहिया की विचारधारा को न मानने का आरोप लगाने पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा, भाजपा के लोग न तो किसानों के हित में काम करते हैं, न महंगाई पर काबू पाते हैं, और न बेरोजगारी के मुद्दे पर कोई ठोस कदम उठाते हैं।

आपका मंगलसूत्र वाला बयान सच हो रहा है, महिलाएं गहने गिरवी रखने को मजबूर

पीएम मोदी पर खरगे का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि, आपका मंगलसूत्र वाला बयान सच साबित हो रहा है, क्योंकि देश में महिलाएं अपने गहने गिरवी रखने के लिए मजबूर हो रही हैं। बता दें कि, प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा था कि, अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो कांग्रेस श्मंगलसूत्रश छीन लेगी और लोगों के धन का फिर से बंटवारा करेगी। मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि 2019 से 2024 के बीच चार करोड़ महिलाओं ने अपना सोना गिरवी रखकर 4.7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया। उन्होंने कहा कि 2024 में महिलाओं की तरफ से लिए गए कुल कर्ज में से 38 फीसदी गोल्ड लोन के जरिए लिए गए हैं। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि फरवरी 2025 में आरबीआई के आंकड़ों से पता चला कि एक साल में गोल्ड लोन में 71.3

फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई है। खरगे ने एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी जी, आपने मंगलसूत्र चोरी की बात कही थी। अब वह सच हो गई है। आपके राज में महिलाओं को अपने सोने के गहने गिरवी रखने पर मजबूर होना पड़ा है। पहले आपने नोटबंदी करके महिलाओं के श्स्त्री-धनश को गायब कर दिया, अब महंगाई और घरेलू बचत में कमी के कारण उन्हें अपनी सबसे कीमती चीज यानी अपने आभूषण गिरवी रखने पर मजबूर होना पड़ रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था की हालत इतनी खराब कर दी है कि दोपहिया वाहन खरीदने वाले मध्यम वर्ग के परिवार अब अपना कर्ज चुकाने में असमर्थ हैं। उन्होंने दावा किया कि बढ़ते कर्ज को देखते हुए दोपहिया वाहन फाइनेंसर 2019 के बाद पहली बार कर्ज देने में कटौती कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 75 फीसदी लोग लोन लेकर दोपहिया वाहन खरीदते हैं ताकि धीरे-धीरे उसे चुका सकें, लेकिन वित्तीय संकट इतना गंभीर है कि पिछले साल की तुलना में सितंबर 2024 तक करीब 2 लाख करोड़ रुपये का लोन अभी भी बकाया है, जिसमें एक साल में 40,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। खरगे ने कहा कि फरवरी 2025 में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 6 फीसदी की गिरावट आई है।

मस्जिद की जगह मंदिर होने का दावा करने वाली याचिका पर सुनवाई 28 अप्रैल को

संभल (उत्तर प्रदेश)। जिला अदालत ने उस याचिका पर सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख नियत की जिसमें दावा किया गया है कि यहां स्थित शाही जामा मस्जिद की जगह पहले हरिहर मंदिर था। सुनवाई के लिए जब यह मामला सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह के समक्ष आया, तो उन्होंने सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए टाल दी। याचिका 19 नवंबर, 2023 को एक अन्य अदालत में दायर की गई थी। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वकील गोपाल शर्मा ने कहा कि प्रतिवादी को अपना लिखित बयान प्रस्तुत करना था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। शर्मा ने संवाददाताओं से कहा, ''आज सिविल जज (सीनियर डिवीजन) आदित्य सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। अगली तारीख 28 अप्रैल तय की गई है। मस्जिद पक्ष के वकील को आज अपना लिखित बयान दाखिल करना था, लेकिन उन्होंने अभी तक इसे जमा नहीं किया है।'' वकील ने कहा, ''हमने अदालत से अपील की है कि उन्हें अपना लिखित बयान दाखिल करने का कोई और मौका न दिया जाए।''

यूपी विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर लगा बैन

लखनऊ, संवाददाता। यूपी विधानसभा में पान-मसाला थूकने की घटना के एक दिन बाद, सदन के अध्यक्ष सतीश महाना ने विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटखा पर बैन लगा दिया है। साथ ही एक हजार जुर्माने का भी प्रावधान रखा गया है। सतीश महाना ने कहा कि विधानसभा परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। यदि कोई भी व्यक्ति विधानसभा

परिसर में पान-मसाला और गुटका का सेवन करता है, तो उन पर 1000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और उनके खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मंगलवार को स्पीकर सतीश महाना उस समय क्रोधित हो गए जब उन्होंने देखा कि विधानसभा के मुख्य द्वार पर किसी ने थूक दिया था। महाना ने जहां विधानसभा कर्मचारियों को दाग साफ कराने का आदेश दिया, वहीं उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया। महाना ने कहा कि सुबह मुझे सूचना मिली कि हमारी विधान सभा के इस कक्ष में किसी सदस्य ने पान मसाला खाकर थूक दिया है। इसलिए, मैं यहां आया और इसे बोल रहा। मैंने विधायक को वीडियो में देखा है। लेकिन मैं किसी भी व्यक्ति को अपमानित नहीं करना चाहता। इसलिए मैं उनका नाम नहीं ले रहा हूं। महाना ने साफ तौर पर कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं कि अगर वे किसी को ऐसा करते हुए देखें तो उन्हें रोकें। इस विधानसभा को स्वच्छ रखना हमारी जिम्मेदारी है। जब किसी ने उनसे विधायक का नाम पूछा तो अध्यक्ष महाना ने कहा कि बेहतर होगा कि संबंधित विधायक अपनी गलती स्वीकार कर लें।

भाषा विवाद के बीच कमल हासन का केंद्र पर निशाना, बोले- देश को हिंडिया बनाने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता-राजनेता कमल हासन ने बुधवार को चल रहे भाषा विवाद में एमके स्टालिन के रुख का समर्थन किया और केंद्र पर गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपकर भारत को ''हिंडिया'' बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी तमिल पार्टियों की एक बैठक में भाग लेने के दौरान आई जहां हिंदी थोपने और परिसीमन के खिलाफ एक प्रस्ताव अपनाया गया और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को भेजा गया। अभिनेता सीएम स्टालिन के नेतृत्व में 50 से अधिक तमिल राजनीतिक दलों की एक सभा को संबोधित कर रहे थे। पार्टियों ने सामूहिक रूप से पीएम मोदी को एक संयुक्त प्रस्ताव सौंपा, जिसमें आश्वासन दिया गया कि कोई भी परिसीमन अभ्यास, यदि अब आयोजित किया जाता है, तो 1971 की जनसंख्या के आंकड़ों पर आधारित होगा और अगले 30 वर्षों तक अपरिवर्तित रहेगा। उन्होंने तर्क दिया कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक

नियंत्रित किया है, उन्हें दंडित नहीं किया जाएगा और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। हासन ने कहा कि केंद्र सरकार कोशिश कर रही है कि सभी राज्य हिंदी बोलें और बहुमत से चुनाव जीतें।

केदारनाथ और हेमकुंड साहिब तक रोपवे के निर्माण को मंजूरी

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने पर्वतमाला परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड में स्थिति तीर्थ स्थल बाबा केदारनाथ तथा सिखों के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को रोपवे की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 6811 करोड रुपए की लागत की दो परियोजनाओं के निर्माण को आज मंजूरी प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की आज यहां हुई बैठक में इन दोनों परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी। रेल, सूचना प्रसारण, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इन परियोजनाओं पर डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण-डीबीएफओटी मोड

पर काम कराया जाएगा जिन्हें चार से छह वर्ष के भीतर पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रोपवे परियोजनाओं को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधीन कंपनी राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड (एनएचएलएमएल) द्वारा बनाया जाएगा श्री वैष्णव बताया कि उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ 12.9 किलोमीटर लम्बी रोपवे परियोजना के निर्माण पर 4081.28 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। रोपवे को सार्वजनिक-निजी भागीदारी में विकसित करने की योजना है और यह परियोजना सबसे उन्नत ट्राई-के बल डिटेचेबल गोंडोला-3एस तकनीक पर आधारित होगा जिसकी डिजाइन क्षमता 1800 यात्री प्रति घंटे प्रति दिशा होगी,जो प्रति दिन 18 हजार यात्रियों को लाने ले जाने में सक्षम होगी। एक गोंडोला मिनी बस के समान होगा जिसमें एक बार में 36 यात्री सवारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि रोपवे निर्माण से केदारनाथ की यात्रा गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चढ़ाई में लगने वाला 8 से 9 घंटे की अवधि घटकर महज 36 मिनट रह जाएगी। प्रस्तावित रोपवे की योजना मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को सुविधा प्रदान करने और सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में 3,583 मीटर की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ में 6 से 7 महीने में हर साल लगभग 20 लाख तीर्थयात्री पहुंचते हैं। रोपवे के निर्माण से यह संख्या 23 लाख हो जाएगी। श्री वैष्णव ने बताया कि गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे परियोजना को भी डीबीएफओटी मोड पर तैयार किया जाएगा।

ढाई लाख से अधिक विद्यार्थी देंगे इतिहास की परीक्षा

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 2025 परीक्षा में बुधवार को दोपहर दो से 5रू15 बजे की दूसरी पाली में 2,56,456 विद्यार्थी इतिहास विषय की परीक्षा में शामिल होंगे। पहली पाली में हाईस्कूल के विषय मानव विज्ञान में 91 एवं इंटरमीडिएट के उर्दू, गुजराती, पंजाबी, बंगला, मराठी, असमी, उड़िया, कन्नड़, सिन्धी, तमिल, तेलुगू, मलयालम व नेपाली में 22,419, कुल 22,510 छात्र–छात्राओं की परीक्षा कराई गई। दूसरी पाली में हाईस्कूल के विषय एनसीसी में 97 तथा इंटरमीडिएट इतिहास में 2,56,456, कुल 2,56,553 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। इस प्रकार बुधवार की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 279063 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।

बीएसए ने तीनों एसआरजी को मूल विद्यालयों में भेजा

प्रयागराज। जिले के तीनों स्टेट रिसोर्स ग्रुप (एसआरजी) सदस्यों को उनके मूल विद्यालय भेजा दिया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने चार मार्च को जारी आदेश में लिखा है कि महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने तीन मार्च को एसआरजी कार्यों से कार्यमुक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से उनके मूल विद्यालय में सामान्य शिक्षण कार्य सम्पादित किए जाने के लिए निर्देशित किया है। संविलयन विद्यालय अतरौरा फूलपुर के सहायक अध्यापक प्रशान्त कुमार ओझा, संविलयन विद्यालय गोझवार जसरा के सहायक अध्यापक सुनील कुमार तिवारी और कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय हनुमानगंज की सहायक अध्यापक वन्दना श्रीवास्तव को निर्देशित किया है कि अपने मूल विद्यालय में तत्काल योगदान देते हुए विद्यालय में सामान्य शिक्षण कार्यों का सम्पादन करना सुनिश्चित करें।

महिलाओं को स्वच्छता प्रति किया जागरूक

प्रयागराज। वात्सल्य सेवा समिति की ओर से मंगलवार को सरोजनी नायडू मार्ग स्थित मलिन बस्ती में स्वस्थ नारी सशक्त समाज के तहत महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर महिलाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। अस्पताल की निदेशक डॉघ कीर्तिका अग्रवाल ने बताया कि बच्चेदानी के कैंसर से बचाव और उपचार की जानकारी दी। छात्राओं को स्वस्थ जीवन शैली और पोषक तत्वों के बारे में जागरूक किया गया। डॉघ कीर्तिका ने कहा कि समिति की प्रयास है जो सभी महिलाएं अपनी सेहत को प्राथमिकता मिले और स्वच्छता से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करें।

पीने वालों की तरह पिलाने वालों में भी मारामारी

प्रयागराज। शराब की दुकानों पर जैसे हर मौसम में भीड़ लगी रहती है, वैसे ही शराब की दुकान खोलने वालों में भी इस बार होड़ मच गई है। इस बार एक दुकान के लिए 13 लोगों ने दावेदारी की है। ऐसे में छह मार्च को होने वाली ई लॉटरी में खूब जोर आजमाइश होने की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष शुरू होने से पहले शराब की दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस बार आबकारी नीति में स्पष्ट किया गया था कि दुकानों का आवंटन इस बार ई लॉटरी से होना है। फरवरी में ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन मांगे गए। इस पर प्रयागराज जिले के लिए कुल 13 हजार आवेदन आए हैं, जबकि जिले में शराब की कुल दुकानें 1040 हैं। ऐसे में इस बार एक दुकान के सापेक्ष 13 आवेदक हैं। अफसरों का कहना है कि यह संख्या अब तक की सबसे अधिक है। अब तक अधिकतम एक दुकान के सापेक्ष चार या पांच लोग रहते थे। पिछले कुछ वर्षों से कभी कोविड तो कभी चुनाव के कारण ई लॉटरी नहीं हुई। शासन ने आबकारी नीति में नवीनीकरण की व्यवस्था की थी। जिसके कारण 15 फीसदी अधिक लाइसेंस फीस देकर लोगों ने दुकानों का नवीनीकरण कराया। यह व्यवस्था होने के कारण कोई नया व्यक्ति नहीं आया। इसके साथ ही इस बार नीति में कुछ बातों को स्पष्ट कर दिया गया है। जैसे देसी शराब शत प्रतिशत टेटरा पैक में ही बिकेगी। अब तक इसकी बात होती थी, लेकिन कुछ ब्रांड शीशी में रहते थे तो कुछ टेटरा पैक में। इससे भी अनुज्ञापियों को समस्या रहती थी। अब इस पर स्थिति एकदम स्पष्ट है। जिला पंचायत सभागार में गुरुवार को सुबह 10 बजे से ई लॉटरी होगी। प्रयागराज का स्लॉट 11रू30 बजे तक का है। इस दौरान जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़, जिला आबकारी अधिकारी सुशील कुमार मिश्र मौजूद रहेंगे।

इस बार शराब की दुकानों के लिए ई लॉटरी होगी। छह मार्च को सुबह 10 बजे से जिला पंचायत सभागार में ई लॉटरी कराई जाएगी। –सुशील कुमार मिश्र, जिला आबकारी अधिकारी

सभी वार्डों में होगी दो पाली में फॉगिंग

प्रयागराज। शहर के 100 वार्डों में दो पाली में फॉगिंग कराई जाएगी। महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी में शहर के सभी वार्डों में सुबह और शाम फॉगिंग कराने का निर्देश दिया है। सलोरी में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के पास मंगलवार को फॉगिंग की गाड़ियों को हरी झंडी दिखाने के बाद महापौर ने कहा कि पूरे शहर में फॉगिंग के लिए 400 कर्मचारी लगाए गए हैं। फॉगिंग के लिए ढाई सौ साइकिल माउंटेड मशीन का इस्तेमाल होगा। फॉगिंग के साथ एंटी लार्वा का छिड़काव करने के लिए भी कहा गया है। महापौर का निर्देश मिलने के बाद नगर निगम ने शहर कई हिस्सों में शाम को फॉगिंग कराई।

एक बार फिर तेज होगा ऑपरेशन समर्थ अभियान

प्रयागराज। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के प्रयास से जिले के छह दिव्यांग बच्चों को सहारा मिल गया। 'ऑपरेशन समर्थ के तहत इन बच्चों का सफल ऑपरेशन कराया गया और अब सभी अपने पांव पर चलने के योग्य हो गए हैं। अफसरों का कहना है कि अब एक बार फिर इस अभियान को तेज किया जाएगा। जिलाधिकारी ने प्रयागराज आगमन पर ऐसे दिव्यांग बच्चों की तलाश के लिए कहा था, जिनका ऑपरेशन करने के बाद वो चलने में समर्थ हो जाएं। इसके लिए अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. केडी त्रिपाठी से बात की गई थी। जनवरी और फरवरी में चिह्नित छह बच्चों का सफल ऑपरेशन कराया गया। हालांकि यह संख्या और अधिक बढ़ सकती थी, लेकिन महाकुम्भ के कारण काम रुक गया था। अब फिर इसे तेज किया जाएगा। डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह को बच्चों को चिह्नित कर यहां तक लाने और उनकी सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ऐसे दिव्यांग बच्चों की लिस्ट तैयार कर ली गई है। सूची और दिव्यांगता का प्रमाणपत्र मेडिकल टीम को भेजा जा रहा है। मेडिकल टीम इसमें यह देखेगी कि किसका ऑपरेशन सफल हो सकता है। ऐसे बच्चों को चिह्नित कर इनका ऑपरेशन कराया जाएगा। रविंद्र कुमार मांदड़ जब रामपुर के जिलाधिकारी थे तो वहां इस कार्यक्रम की शुरुआत कराई थी। जहां 61 बच्चों का सफल ऑपरेशन हुआ और वो अपने पांव पर चलने लगे थे। ऑपरेशन समर्थ के तहत प्रयागराज में छह बच्चों का सफल ऑपरेशन हो चुका है। महाकुम्भ के कारण कुछ दिन तक इसे रोकना पड़ा था।

दुनिया भर से आए 55 लाख विदेशी पर्यटक, बना रिकॉर्ड

टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने अर्जित किए 100 करोड़

प्रयागराज। महाकुंभ के वृहद आयोजन में पर्यटन निगम ने जहां एक ओर जनमानस के अवस्थापन एवं आधुनिक आश्रय स्थल विकसित कर संचालित कराए, वहीं दूसरी ओर अवस्थापन एवं खान–पान के क्षेत्र में नवीन अवधारणा को प्रबल करते हुए निजी सहभागिता से टेंट सिटी का संचालन हुआ। इसमें टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने 100 करोड़ अर्जित किए।

दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर प्रयागराज ने पहली बार ऐतिहासिक रिकॉर्ड के साथ मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। टूरिज्म के सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, महाकुंभ के 45 दिनों में ही तकरीबन 55 लाख विदेशी पर्यटक आए हैं। पिछले साल करीब 5,000 विदेशी ही आए थे।

इस बार के महाकुंभ कई मायनों में ऐतिहासिक रहा है। 73 देशों के राजनयिक और 116 देशों के विदेशी श्रद्धालु संगम स्नान करने आए। इनमें सर्वाधिक नेपाल, अमेरिका, ब्रिटेन, श्रीलंका, कनाडा और बांग्लादेश से आए। इसके साथ रूस, जापान, जर्मनी, फ्रांस, ब्राजील, मलयेशिया, न्यूजीलैंड, इटली, कनाडा और थाइलैंड सहित 100 से अधिक देशों से भी लोग पहुंचे।

इन लोगों ने प्रयाग के साथ वाराणसी, अयोध्या, चित्रकूट, मथुरा और गोरखपुर भी देखा। विदेशियों के यहां आने से होटल, गाइड, ट्रांसपोर्ट, हस्तशिल्प और स्थानीय कारोबार में लाभ मिला है। केंद्र सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन कहते हैं, महाकुंभ में आए करोड़ों लोगों के खर्च का

असर चौथी तिमाही की जीडीपी में दिखेगा।

वहीं, केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन–दो योजना में नैमिषारण्य और प्रयागराज को चुना गया है। इससे भी पर्यटन को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

कुंभ में आए थे 10.30 लाख विदेशी

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक, वर्ष 2019 के कुंभ में 10.30 लाख विदेशी पर्यटक आए थे। तब यहां कुल 23,94,70,000 श्रद्धालु आए थे। इस बार करीब 67 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई है। इसमें कुल कितने विदेशी हैं, इसका आंकड़ा मार्च अंत तक स्पष्ट हो सकेगा।

प्रदेश में आए 65 करोड़ पर्यटक, इनमें 23 लाख विदेशी

प्रदेश में बीते वर्ष कुल 65 करोड़ पर्यटक आए। इनमें 23 लाख विदेशी भी शामिल हैं। सर्वाधिक 14.65 लाख पर्यटक आगरा में आए, जबकी 3.09 लाख पर्यटकों के साथ वाराणसी दूसरे पायदान पर रहा। मथुरा में 1.36 लाख, कुशीनगर में 2.51 लाख, अयोध्या में 26,048 और प्रयागराज में 4,790 विदेशी पर्यटक आए। वर्ष 2023 में यूपी आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 16 लाख रही थी, जबकि 2022 में साढ़े छह लाख लोग यहां आए थे।

महाकुंभ में टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने अर्जित किए 100 करोड़

महाकुंभ के वृहद आयोजन में पर्यटन निगम ने जहां एक ओर जनमानस के अवस्थापन एवं आधुनिक आश्रय स्थल विकसित कर संचालित कराए, वहीं दूसरी ओर अवस्थापन एवं खान–पान के क्षेत्र में नवीन अवधारणा को प्रबल करते हुए निजी सहभागिता से टेंट सिटी का संचालन हुआ। इसमें टेंट सिटी से पर्यटन निगम ने 100 करोड़ अर्जित किए। वहीं प्राइवेट फर्मों को 73.45 करोड़ की आमदनी होने का अनुमान है।

पर्यटन निगम ने 2100 कॉटेज और टेंट कालोनी में 110 कॉटेज बनाए थे। इसकी ऑनलाइन बुकिंग देश– विदेश के लोगों को नहीं मिल पा रही थी। आधुनिक साज–सज्जा के साथ इसे स्थापित किया गया था। महाकुंभ के दौरान हुई बुकिंग से पर्यटन निगम ने 100 करोड़ रुपये अर्जित किए हैं। आकाश से संगम को देखने के लिए भी होड़ मची हुई थी।

इससे पवन हंस ने 50 लाख से अधिक की धनराशि अर्जित की है। पर्यटन विभाग ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए भिन्न – भिन्न प्रकार की साहसिक एवं जल क्रीड़ा भी संचालित कराई। 500 कलाकारों को बुलाकर श्रद्धालुओं का मनोरंजन भी कराया। इस पर करोड़ों रुपये खर्च हुए।

आवासीय एवं खान– पान से कमाए करोड़ों

पर्यटन निगम द्वारा संचालित गतिविधियों से निजी विकासकर्ता फर्मों एवं अन्य से करोड़ों की धनराशि अर्जित की गई। पर्यटन विभाग के आकड़ों पर गौर करें तो पर्यटक आवास गृह, त्रिवेणी दर्शन ने आवासीय एवं खान– पान से एक– एक करोड़ रुपये कमाए।

इसी प्रकार परेड ग्राउंड टेंट कॉलोनी ने 1.25 करोड़, अरैल टेंट कालोनी ने नब्बे लाख, मैसर्स लल्लू जी एंड संस लखनऊ ने तीन करोड़, आगमन इंडिया ट्रवेल एंड लिविंग प्राइवेट लिमिटेड ने दस करोड़, अदवंता प्राइवेट, लिमिटेड ने चार करोड़, कुंभ विलेज प्रयागराज ने पांच करोड़, आरडी एडवरटाइजिंग प्रा. लिमिटेड ने चार करोड़, इरा इवेंट प्रा. लि. एंड गंजेस व्यू स्टेज ने दो करोड़, इवोलाइफ स्पेस प्रा. लि ने दो करोड़, कोशर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि ने तीन करोड़ रूपये आवासीय एवं खान पान से अर्जित किया।

इसके अलावा जल एवं साहसिक क्रीड़ा से ईचेट काग्लोमेरेट प्रा. लि. ने 50 लाख और हेलिकॉप्टर राइड से पवन हंस ने 50 लाख, परेड ग्राउंड फूड कोर्ट ने खान–पान से 30 करोड़ रुपये अर्जित किया है।

इन्हें मिला रोजगार

महाकुंभ के दौरान बड़ी संख्या में युवाओं, श्रमिकों, कलाकारों , कुक, वेटर, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, कारपेंटर, पुरोहितों आदि को रोजगार के अवसर भी मुहैया कराए गए। इनकी संख्या करीब दो हजार के आसपास बताई जाती है।

सपा के सत्ता में आते ही 10 दिन में खत्म हो गए थे वासुदेव यादव के सारे केस, आधी रात तक खोला गया था सचिवालय

प्रयागराज। सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव को विजिलेंस की टीम ने प्रयागराज स्थित उनके जार्ज टाउन स्थित आवास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

सपा के पूर्व एमएलसी और यूपी बोर्ड के सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक रहे वासुदेव यादव को 2012 में सपा की सरकार आते ही संजीवनी मिली थी। 10 दिनों में उनके खिलाफ चल रहे अनुशासनात्मक कार्रवाई और घोटालों के मामले खत्म कर दिए गए थे। इसके लिए सचिवालय को आधी रात तक खोला गया था।

वासुदेव यादव के पास आय से अधिक संपत्ति मिलने के मामले के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि सपा की सरकार आने से पहले वासुदेव यादव के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई के दर्जनों मामले लंबित थे।

पांच मार्च 2012 को जब विधानसभा चुनाव का परिणाम घोषित हुआ और सपा बहुमत के साथ सत्ता में आई तो उनकी किस्मत अचानक पलट गई। सूत्र बताते हैं कि पांच से 15 मार्च तक देर रात सचिवालय खोलकर वासुदेव यादव के खिलाफ चल रहे मामलों को खत्म कराया गया।

उनके खिलाफ लोकायुक्त की जांच भी चल रही थी, जिसे दबा दिया गया। अचानक डीपीसी हुई और आनन–फानन उनका प्रमोशन करते हुए बेसिक व माध्यमिक शिक्षा के निदेशक का पद सौंप दिया गया। वर्ष 2012 से 2014 तक निदेशक रहने दौरान ही उन पर घोटाले के आरोप लगे।

ट्रांसफर–पोस्टिंग को लेकर वासुदेव यादव का नाम हमेशा विवादों में रहा। अगस्त 2003 से मई 2007 तक सपा की सत्ता के दौरान भी वह दो बार यूपी बोर्ड के सचिव रहे। बोर्ड सूत्रों का कहना है कि इस दौरान उन्होंने ऊंची दरों पर प्रश्नपत्रों की छपाई कराई।

डिबार किए गए सैकड़ों कॉलेजों को दोबारा परीक्षा केंद्र बनवा दिया। सपा सरकार में उनकी इतनी पहुंच थी कि सेवानिवृत्ति के बाद पार्टी ने उन्हें एमएलसी तक बनवा दिया।

पूर्व एमएलसी व माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव गिरफ्तार

विजिलेंस की टीम ने सपा के पूर्व एमएलसी और शिक्षा बोर्ड के निदेशक वासुदेव यादव को उनके जार्ज टाउन स्थित आवास से मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आय से अधिक संपत्ति के मामले में वाराणसी की एमपी–एमएलए कोर्ट ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

पिछले करीब तीन साल से वासुदेव यादव कोर्ट में पेश नहीं हुए थे। सितंबर–2017 में सीएम के निर्देश पर वासुदेव यादव की संपत्तियों की जांच शुरू हुई थी। उन पर शिक्षा निदेशक रहते हुए अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। निर्धारित अवधि के बीच हुई आय, खर्चों, खरीदी गई संपत्तियों व निवेशों के बारे में विजिलेंस ने गहनता से जांच पड़ताल की थी।

इसमें सामने आया कि वासुदेव यादव की आय करीब 89.42 लाख रुपये थी, जबकि विजिलेंस की विवेचना में आय से 293 फीसदी अधिक संपत्ति जुटाने का साक्ष्य मिला था। यह रिपोर्ट शासन को सौंपी जाने के बाद भी वासुदेव ने अपना बयान दर्ज नहीं कराया था। शासन से अनुमति मिलने के बाद जनवरी–2021 में सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) प्रयागराज के थाने में वासुदेव यादव के खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई थी।

इसके बाद से ही वासुदेव कोर्ट में हाजिर नहीं हुए। मामले में मंगलवार दोपहर विजिलेंस इंस्पेक्टर नन्हे राम सरोज और जय श्याम शुक्ला के नेतृत्व में जार्ज टाउन थाना क्षेत्र के अमरनाथ झा मार्ग स्थित उनके आवास पर स्थानीय पुलिस के साथ टीम पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद विजिलेंस की टीम ने वासुदेव को वाराणसी एमपी–एमएलए कोर्ट में पेशकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

25 फरवरी को जारी किया था वारंट, 12 मार्च को है सुनवाई

विजिलेंस अफसरों के मुताबिक, कोर्ट की ओर से वासुदेव यादव के खिलाफ कई बार नोटिस और वारंट जारी किया जा चुका है। आखिरी बार 25 फरवरी 2025 को वासुदेव के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद से विजिलेंस की टीम ने वासुदेव की घेराबंदी शुरू की और 04 मार्च को उनके आवास से ही गिरफ्तार कर लिया। वाराणसी कोर्ट में 12 मार्च 2025 को मामले में अगली सुनवाई होनी है।

कॉपियों का मूल्यांकन 17 मार्च से शुरू करने की तैयारी

अप्रैल के अंत तक रिजल्ट आने की उम्मीद

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 12 मार्च को समाप्त हो जाएंगी। कॉपियों का मूल्यांकन 17 मार्च से शुरू करने की तैयारी है। 15–16 दिनों में कार्य पूरा होने और अप्रैल के अंत में परिणाम आने की उम्मीद है। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 12 मार्च को समाप्त हो जाएंगी। कॉपियों का मूल्यांकन 17 मार्च से शुरू करने की तैयारी है। 15–16 दिनों में कार्य पूरा होने और अप्रैल के अंत में परिणाम आने की उम्मीद है। परीक्षाएं पूरी होने के बाद 13 मार्च को होलिका दहन और 14 मार्च को होली का पर्व है। ऐसे में दो दिनों तक मूल्यांकन केंद्रों तक कॉपियों को पहुंचा पाना मुश्किल होगा। 15 या 16 मार्च से कॉपियों को मूल्यांकन केंद्रों में पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी और सब कुछ ठीक रहा तो 17 मार्च से कॉपियों का मूल्यांकन भी शुरू करा दिया जाएगा। बोर्ड के सूत्रों का कहना है, कॉपियों का मूल्यांकन 15 से 16 दिनों में पूरा करने का लक्ष्य है। ऐसे में मार्च के अंत या अप्रैल की शुरुआत में मूल्यांकन कार्य पूरा होने की उम्मीद है। मूल्यांकन कार्य समय से पूरा हो जाता है तो अप्रैल के अंत या मई की शुरुआत में हाईस्कूल व इंटर का परीक्षा परिणाम जारी किया जा सकता है। नतीजे समय से तैयार किया जा सके, इसके लिए 20 अंकों की वस्तुनिष्ठ परीक्षा के लिए प्रयोग की जा रही ओएमआर शीट का मूल्यांकन छह मार्च से शुरू कराया जाएगा। ओएमआर शीट की अत्यधिक संख्या को देखते हुए बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने इसे तीन चरणों में संकलन केंद्र से क्षेत्रीय कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित कंप्यूटर फर्मों तक पहुंचाने के दिशा–निर्देश दिए हैं। प्रथम चरण में 24 फरवरी से तीन मार्च तक की परीक्षाओं की ओएमआर शीट चार मार्च को संकलन केंद्र से क्षेत्रीय कार्यालय को भेज दी जाएगी और छह मार्च को क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित कंप्यूटर फर्मों उपलब्ध करा दी जाएगी।

महाकुंभ के महाआयोजन की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेंगे चार विदेशी संस्थान, ये होंगे विषय

प्रयागराज। संगम की रेती पर लगा सबसे बड़ा महाकुंभ अब दुनिया के अध्ययन का विषय बन गया है। छोटे से अस्थाई जिले में इतनी आबादी का आना और उनके लिए व्यवस्था पर अब अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, जापान की क्योटो यूनिवर्सिटी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन अध्ययन करेंगे। आठ प्रमुख विषय शामिल किए गए हैं, जिसमें 26 अध्ययन किए जाएंगे। महाकुम्भ का आयोजन 13 जनवरी से 26 फरवरी तक हुआ। 45 दिनों के इस आयोजन में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालु स्नान के लिए आए। अफसरों का कहना है कि इस पर अब अलग–अलग विषयों पर अध्ययन किया जा रहा है।

अध्ययन के विषय

– हार्वर्ड यूनिवर्सिटी रू यहां आए प्रतिभागियों के लिए खाद्य और पेय प्रबंधन का अध्ययन करेगी। इसके साथ ही शहरी अवसंरचना की व्यवस्था कैसे की गई, जिससे सब कुछ व्यवस्थित रहा। इस पर अध्ययन करेगी।

– बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन रू महाकुम्भ मेला 2025 के एकीकृत दस्तावेजीकरण पर अध्ययन करेंगी। जिससे इसका दुनिया भर में प्रचार–प्रसार किया जा सके। ऐसे आयोजन को सफलता पूर्वक कराया जा सके।

– स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी (इंस्टीट्यूट ऑफ कॉम्पिटिटिवनेस) रू महाकुम्भ मेले का आर्थिक और सामाजिक प्रभाव क्या रहा। इससे प्रयागराज की अर्थव्यवस्था में, देश की अर्थव्यवस्था में और इसका दुनिया से क्या जुड़ाव रहा। इस पर अध्ययन किया जाएगा। आयोजन के बाद सामाजिक तौर पर क्या बदलाव हुए, इस पर भी अध्ययन का विषय केंद्रित होगा।

– क्योटो यूनिवर्सिटी (जापान), आईआईटी मद्रास, आईआईटी–बीएचयू, एमएनएनआईटी प्रयागराज मल्टीमॉडल परिवहन व्यवस्था। अटल और शटल बसों का संचालन प्रबंधन, ई रिक्शा का संचालन और प्रबंधन, पैदल मार्ग कैसे बनाए गए और ट्रैफिक प्रबंधन की किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा इस पर शोध होगा।

ये संस्थान भी इन विषयों पर करेंगे अध्ययन

– भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा रणनीति आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम लखनऊ, आईआईएम बेंगलुरू, लखनऊ यूनिवर्सिटी।

– स्वास्थ्य प्रबंधन और आपदा प्रबंधन एम्स नई दिल्ली (आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया और निक्षय अभियान पर अध्ययन)

– डिजिटल तकनीक आईआई कानपुर (सोशल मीडिया की निगरानी), आईआ–ईएम रोहतक (डिजिटल तकनीक की प्रभावशीलता)

– सांस्कृतिक और सामाजिक पहलू आईआईएम इंदौर, दिल्ली यूनिवर्सिटी, जेएनयू, जीबी पंत इंस्टीट्यूट ।

– जीबी पंत सोशल साइंस इंस्टीट्यूट अखाड़ों के बदलते स्वरूप पर शोध करेगा, जिससे महाकुम्भ की समृद्ध परंपराओं को समझने में मदद मिलेगी।

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी मार्च माह के काव्य गोष्ठी महिला दिवस के उपलक्ष्य में उपलक्ष्य में ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. कामना कौस्तुभ सारस्वत अतिथि अर्चना मलैया विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा.

राजलक्ष्मी शिवहरे सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति रश्मि पांडे द्वारा । काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत चंद्र प्रकाश वैश्य,सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें।मंजूषा किंजवडकर, ,राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे, आरती शर्मा,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, आरती श्रीवास्तव डा. कुमकुम शुक्ला ,शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु किया।

भोपा रोड पर ओवर लोडेड वाहनों का चहुंओर कब्जा

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड बिंदल फैक्ट्री के सामने हर वक्त जाम की स्थिति बना रहे है ओवर लोडेड वाहन जबकि नई मण्डी थाने की गांधी नगर पुलिस चौकी के चौक पोस्ट पर एआरटीओ चेकिंग करते देखे जाते है उनके सामने से ही तो होकर गुजरते होंगे लोडेड वाहन जहां से यह ट्रोले भरकर

चलते है वहां से लेकर यहां पहुंचने तक ना जाने कितने चौराहे पार करने होते है हर चौराहे पर पुलिस मुस्तैद रहती है किसी को भी यह वाहन नहीं दिखाई पड़ते रो पीटकर वह बैठ जाते है जिनका कोई परिजन इनके हादसे का शिकार बनता है तब पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुंचती है कलम और डायरी लेकर उससे पहले किसी को किसी की कोई चिंता नहीं जाने कितने घरों के चिराग बुझा दिए इन बड़े वाहनों ने सख्ती के बावजूद भी यह वाहन शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरते है।

राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा का परिणाम घोषित

मुजफ्फरनगर।मुजफ्फरनगर में 176 सीटों के सापेक्ष 173 बच्चों का चयन हुआ है। जिसमें सर्वाधिक छात्रों का चयन उच्च प्राथमिक विद्यालय राजपुर छाजपुर बुढाना ब्लॉक से हुआ है। यहां से 17 बच्चों का चयन हुआ है। और सर्वाधिक अंक भी यही

के छात्र ने प्राप्त किए हैं। कंपोजिट विद्यालय नसीरपुर से 6 बच्चों का चयन हुआ है। यहां की बालिका में जिले में सातवां स्थान प्राप्त किया है और शुरू के टॉप टेन में अपना स्थान बनाया है। इस राष्ट्रीय आय आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा के ज्यादा से ज्यादा फॉर्म भरवाने में कोऑर्डिनेटर श्रीमती मीरा शर्मा (कंपोजिट विद्यालय नसीरपुर) व रीना सिंह (प्राथमिक विद्यालय भैंसी नंबर 2) का अथक प्रयास रहा है। उनके प्रयासों के फल स्वरुप ही समस्त सीटों के सापेक्ष फॉर्म भरे जा सके।

लापता हुई बेवफा पत्नी की बरामदगी की पुलिस से लगाई गुहार

भोपा। चोरी छिपे मोबाइल पर बात करने के बाद अचानक गायब हुई पत्नी की बरादगी की गुहार पति ने पुलिस से लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया की उसकी पत्नी अक्सर किसी अज्ञात व्यक्ति से मोबाइल पर बात करती रहती थी। बार बार समझाने के बावजूद वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आई। और उससे बात बात पर झगड़ा करने लगी।जिसके संबंध मे उसने पत्नी के मायका वालों को भी जानकारी दी। बीते 2 फरवरी को वह गन्ने की छिलाई करने खेत मे गया हुआ था।इसी दौरान पत्नी घर से कहीं चली गयी। सभी संभावित स्थानों पर उसे तलाश किया गया। लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका है। उसे गांव के ही एक व्यक्ति पर शक है।

डीएम ने बरसाना में परखी होली की व्यवस्थाएं

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह बुधवार को सुबह तड़के ही होली की व्यवस्थाओं को लेकर बरसाना रवाना हो गए। जहां पर उन्होंने अपने अधीनस्थों के साथ हेलीपेड का जायजा लिया। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व तथा अधिशासी अभियंता लोक निर्माण को निर्देश दिए कि हेलीपेड के सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते सुरक्षा के पुख्ते इंतजाम किए जाएं, हेलीपेड के आस पास गंदगी न रहे तथा हेलीपैड के आस पास पानी का छिड़काव कराया जाए। उन्होंने कहा कि स्विस कॉटेज का निरीक्षण करे तथा उत्कृष्ट साफ सफाई रखे। इसके पश्चात जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उप जिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी रोड पर निकल गए। जिलाधिकारी ने गोवर्धन वाले पुल पर हो रही साफ सफाई को लेकर अवर अभियंता सिंचाई को निर्देश दिए कि पुल के दोनों तरफ पेंटिंग की जाए तथा दोनों ओर साफ सफाई सुनिश्चित करें। इसी प्रकार डिप्टी कलेक्टर रितु सिरोही को निर्देश दिए कि अपनी देख रख में साफ सफाई बेहतर कराएं, जहां धूल उड़ रही हो वहां पर पानी का छिड़काव करवाया जाए।

सड़क के दोनों किनारों से पॉलिथिन, कपड़े, पान मसाले के पैकेट आदि को उठवाकर बाहर फेंका जाए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने रोप वे पर पहुंच कर व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी, डिप्टी कलेक्टर, ईओ एवं सफाई कर्मियों के साथ रोप वे पर साफ सफाई की और रोप वे की नाली स्वयं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने साफ की। रोप वे पर गंदगी मिलने पर रोप वे स्वामी को नोटिस दिया गया। इसके बाद जिलाधिकारी सहित पूरी टीम ने रोप वे के ऊपर ब्राह्मचंल पहाड़ी पर साफ सफाई की और झाड़ू लगाया गया। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने श्रमदान करते हुए पॉलिथिन, पानी को बोतल, पान मसाले के पैकेट, पानी के पाउच आदि को अपने हाथों से उठाकर स्वयं कूड़े को डस्टबिन में डाला।

श्री राधारानी जी मंदिर पर साफ सफाई व्यवस्था को परखा, मंदिर के आस पास साफ सफाई की, रंगाई पुताई आदि के लिए ईओ को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सफाईकर्मियों का हौसला बढ़ाया और कहा के हम और आप एक ही इंसान हैं, हम दोनों में कोई अंतर नहीं है, आप हम सब लोग मिलकर ब्रज की सेवा करेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी ने श्री राधा बिहारी इंटर कालेज में चल रहे कार्यों को देखा। उन्होंने मंच, पंडाल, आवागमन मार्ग, पंडाल के आस पास साफ सफाई आदि को देखा। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने बरसाना में स्थित लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन का जायजा लिया, जहां उनको कार्य संचालित मिला, साफ सफाई, रंगाई पुताई होती मिली। जिसमें उन्होंने अधिशासी अभियंता लोक निर्माण को निर्देश दिए कि पेड़ों को भी सजाया जाए। सड़कों पर बने फूटपाथ, दीवार आदि पर भी पेंट कराया जाए।

इस मौके पर अपरजिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पांडेय, उपजिलाधिकारी गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर रितु सिरोही, ऊषा सिंह, तहसीलदार गोवर्धन मनीष कुमार, ईओ कल्पना वाजपेई , चेयरमैन प्रतिनिधि पदम फौजी, देवेंद्र शर्मा, शरद शर्मा, नारायण सिंह आदि ने श्रमदान किया।

जिला पंचायत अध्यक्ष व मंत्री ने की मुख्यमंत्री से भेंट

मुजफ्फरनगर। जिला पंचायत अध्यक्ष डा. वीरपाल निर्वाल ने कौशल विकास मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल के साथ लखनऊ में प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ से विधान सभा के कक्ष में भेंट कर जनपद के विकास हेतू कई कार्यों का मांग पत्र मुख्यमंत्री को प्रस्तुत किया है।

प्रमुख मांगो में श्रावण मास में आयोजित होने वाले हिंदू आस्था के प्रतीक प्रसिद्ध कांवड़ मेले एवं शुकतीर्थ में आयोजित होने वाले कार्तिक स्नान मेले को राजकीय मेला घोषित करने , शुकतीर्थ में कार्तिक स्नान मेले हेतू जमीन उपलब्ध कराने,पानीपत खटीमा मार्ग को विकसित करते हुए बिहारगढ़ में गंगा पर पुल बनाकर रावली जनपद बिजनौर से जोड़ने , शुकतीर्थ में गंगा के पुल का निर्माण करने और गंगा एक्सप्रेस वे को शुकतीर्थ से जोड़ने , जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को कराने का अनुरोध किया गया। माननीय मुख्य मंत्री ने सभी मांगों पर गंभीरता से कार्य करने का विश्वास दिलाया है । इससे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डा निर्वाल ने प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह से भेंट कर ग्राम मुझेड़ा तथा रहकड़ा में रजवाहे की पटरी को पक्की कराने तथा ग्राम महमूदपुर माजरा के सामने गंग नहर पर लोहे के क्रॉसिंग पुल का निर्माण कराने का मंत्री से आग्रह किया ।इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष रूपेंद्र सैनी,जिला उपाध्यक्ष संजय गर्ग, पूर्व जिला उपाध्यक्ष देशबंधु तोमर भी मौजूद रहे ।

सड़क किनारे 4 लोगों को कार ने रौंदा,2 की मौत, 100 की स्पीड में डिवाइडर पर चढ़ी टाटा सूमो

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में टाटा सूमो ने डिवाइडर पर सो रहे 4 लोगों को कुचल दिया। 2 लोगों की मौत हो गई। 2 गंभीर हैं। टायर फटने पर एसयूवी टाटा सूमो बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे के वक्त स्पीड 100 से अधिक थी। आखिरी में लोहे के पोल से टकराने पर रुकी। हादसा मंगलवार देर रात 1 बजे हसनगंज इलाके के नदवा रोड पर हुआ। हादसे के बाद चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे। गाड़ी के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी

छोड़कर फरार हो गया था। घायल राजेश सोनी नेपाल के कपिलवस्तु के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया की सभी लोग इलाके के ही रहने वाले हैं। शादी–बारात में कैटरिंग और सीजन के बाद होटल पर काम किया करते थे। जिस जगह हादसा हुआ है सभी लोग वहां पर कई दिनों से सोते थे। घटना के बाद सबसे पहले रिक्शा चलाने वाले आशीष टंडन पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। इसके बाद घायलों को अस्पताल भेजने में मदद की। घटना देखने वाले दूसरे व्यक्ति राजू का कहना है कि गाड़ी में चार युवक थे। एक्सीडेंट के बाद गाड़ी रुकी तो चारों उतर कर भाग गए। गाड़ी सवार एक युवक को रात में क्रिकेट खेल रहे लड़कों ने पकड़ा, लेकिन भीड़ का फायदा उठाकर वह भी भाग गया। मारने वालों में दो नेपाली हैं। एक का नाम बहादुर है। दूसरा उसी का साथी है। हसनगंज इंस्पेक्टर डीके सिंह ने कहा गाड़ी शेख उल्लाह अली के नाम पर है। वह अमीनाबाद का रहने वाला है। सीसीटीवीऔर गाड़ी के नंबर (यूपी 32 ईएल 4582) से ड्राइवर की पहचान की जा रही है। हादसे के वक्त आरोपी नशे में था या नहीं। इसकी भी जांच की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा। मरने वालों में एक की उम्र 20 और दूसरे की 40 साल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त कार की स्पीड बहुत अधिक थी। ऐसे में टायर फटने से गाड़ी बेकाबू होकर गई और सड़क किनारे सो रहे लोगों को रौंदते हुए निकल गई। हम लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। लोग गाड़ी के नीचे दब गए थे। हम लोगों ने उन्हें बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

पंच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

प्रयागराजससी.एम.पी. महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग एवं आर्टिफेक्चुअल आर्कियोलॉजिकल साइंसेस सोसाइटी (।ै) के संयुक्त तत्वाधान में ष्बायोकल्चर इवोल्यूशनरू कॉग्नेट आर्कियोलॉजिकल एविडेंसष विषय पर एक पंचदिवसीय कार्यशाला का आज शुभारंभ हुआ। उक्त सोसाइटी के साथ महाविद्यालय का समझौता अनुबंध भी है। सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. प्रकाश सिन्हा ने विषय का सामान्य परिचय देते हुए जैविक विकास और मानव व्यवहार के बीच संबंध को समझाया, जो समय और स्थान के परिप्रेक्ष्य में संज्ञानात्मक पारिस्थितिकी में मानव को सांस्कृतिक विकास की ओर ले जाते हैं। बौद्धिक उन्नयन प्रकोष्ठ के अंतर्गत हो रहे इस कार्यशाला की शुरुआत दिवंगत पुराविद् प्रो. धनेश मंडल को श्रद्धांजलि अर्पित करके हुई। डॉ. मयंक विश्वकर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय एवं स्वागत किया। विभाग की वरिष्ठ शिक्षिका प्रो. अर्चना खरे ने प्रो. प्रकाश सिन्हा को स्मृति चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रो. भावना चौहान सहित विभाग के सभी शिक्षक तथा विश्वविद्यालय एवं अन्य महाविद्यालयों से आये शिक्षक गण उपस्थित रहे।

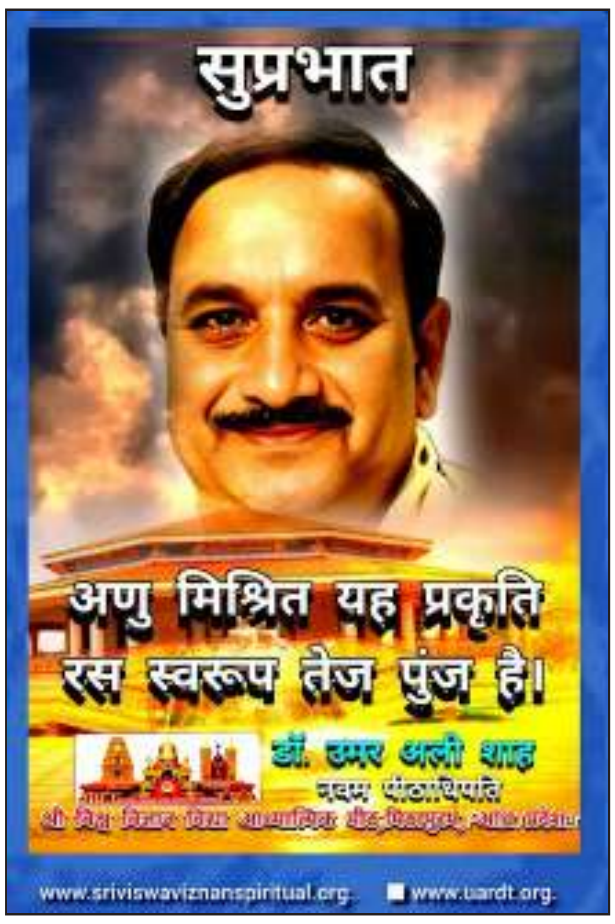

जीवन रंग वसन्त

(कुण्डलिया)

जीवन प्रेम वसन्त का,अनुरागी वैराग्य।
रंगो का त्योहार बन,उदित कर रहा भाग्य।
उदित कर रहा भाग्य, उदासी सबका हरके।
लाता उनको पास,करें जो बातें हटके।
सुन लो कहें प्रदीप, मधुर ध्वनि बनकर खनखन।
भरती रही मिठास, बताकर क्या है जीवन। ।

वृन्दावन में गोपियाँ, कान्हा रंग विधान।
गूढ़ धर्म संवाद का,है अद्भुत विज्ञान।
है अद्भुत विज्ञान, मोक्ष का मार्ग बताता।
होली का हर रंग,सदा हरि महिमा गाता।
सुन लो कहें प्रदीप, प्रेममय पावन जीवन।
दर्शन का है शास्त्र,बताता है वृन्दावन। ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

स्पोर्ट्स डायरेक्टर ने कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा को दी जीत की बधाई

मुजफ्फरनगर। दिल्ली से पधारे मशहूर हाना स्पोर्ट्स लिमिटेड फाउंडरध्डायरेक्टर श्री मदन कुमार ने आर्यपुरी स्थित कराटे एकेडमी पर पहुंच कर कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा के कुशल नेतृत्व में उनकी जॉबाज टीम द्वारा दमदार एवं शानदार प्रदर्शन करते हुए गत वर्षों से निरन्तर नेशनल, इन्टरनेशनल, और साउथ एशिया कप जीतकर विश्व पटल पर भारत देश का नाम रोशन करने पर जमकर प्रशंसा करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी स्पोर्ट्स डायरेक्टर ने बताया कि वेदप्रकाश शर्मा ने छोटे से शहर मुजफ्फरनगर में रहकर अनेकों बड़ी उपलब्धियों पर विजय प्राप्त करते हुए भारत देश का नाम पूरे विश्व में रोशन किया है सआज वेदप्रकाश शर्मा का नाम कराटे खेल जगत में किसी परिचय का मोहताज नहीं है और मार्शल आर्ट्स खेलों से जुड़े देश विदेश के प्रशिक्षक भी वेदप्रकाश शर्मा जी को बहुत आदर व सम्मान देते हैं।

थाने पहुंची भाकियू अराजनैतिक की फूट एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप जारी

भोपा। भाकियू अराजनैतिक के कुछ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं में एक दूसरे पर आरोप प्रतिरोप लगाने का सिलसिला जारी है। आपसी फूट अब थाने तक पहुंच गयी है। मंगलवार को दो पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। भारतीय किसान यूनियन

अराजनैतिक के अंकित जावला निवासी नन्हेडा ने मंगलवार की सुबह भोकरहेड़ी निवासी कुछ युवकों के विरुद्ध थाने पर प्रार्थना पत्र देकर सम्मान को ठेस पहूँचाने की बात कही थी। शाम को भोकरहेड़ी के राहुल कुमार, अनिकेत, सुमित, मुकुल, अंकित, अक्षय, अनुज आदि सहित एक दर्जन से भी अधिक युवक थाने पहुंचे, जिन्होने भाकियू अराजनैतिक के कार्यकर्ता होने की बात कहते हुए अंकित जावला पर आरोप लगाते हुए थाने पर प्रदर्शन किया। साथ ही उसके विरुद्ध थाने पर प्रार्थना पत्र दिया है। पुलिस का कहना है कि दोनों ओर से प्रार्थना पत्र मिला है मामले की जांच पड़ताल की जा रही है आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

NOTICE

This is hereby informing you that my daughter's name is mentioned wrong as "Shristi Varshney" in her school records St. Mary's convent inter college (Prayagraj U.P.), whereas my daughters correct name is "Srishti Varshney" as per her birth certificate and adhar card.

Sayyam Varshney
Address- 739, Old Katra,
Allahabad-211002

सम्पादकीय.....

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस–यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता,यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है। लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी। वह भी तब जब ट्रंप अमेरिका फर्स्ट का नारा लगातार लगा रहे हैं। उन्होंने टैरिफ लगाने में गोरे देश कनाडा तथा चीन को भी नहीं बख्शा। भारत के टैरिफ के भेदभाव को लेकर ट्रंप लगातार मुखर रहे हैं। कथित अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिका ने जैसा अमानवीय व्यवहार किया,वह किसी से छिपा नहीं है। भारत को अच्छी तरह पता है कि हमारा सदाबहार मित्र रूस अब ट्रंप के करीब है और ब्रिक्स के देश चीन के ज्यादा नजदीक हैं। ऐसे में हमें अपने हितों की रक्षा अपने बूते ही करनी होगी।

लगी आग की जद में रक्षा खडसे

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा वालों के लिये अधिक दिक्कत यह है कि जिसे पकड़ा गया है व जिनकी तलाश है, उनमें उस जमात के लोग नहीं निकले जिनके होने की ख्वाहिश हर भाजपायी, उसके प्रवक्ता, आईटी सेल, और ट्रोल आर्मी करते हैं।

देश भर में, खासकर भारतीय जनता पार्टी शासित प्रदेशों में कानून–व्यवस्था एक बड़ी समस्या बनी हुई है, लेकिन पिछले 11 वर्षों से देश को साम्प्रदायिकता और नफरत फैलाने में ऐसा व्यस्त कर दिया गया है कि बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि के साथ इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर किसी का ध्यान नहीं हैय या यों कहें कि जाने नहीं दिया जा रहा। रक्षा खडसे की बेटी अपनी कुछ सहेलियों के साथ शुक्रवार को जलगांव जिले के कोठली गांव में महाशिवरात्रि के अवसर आयोजित होने वाले धार्मिक मेले में घूमने गयी थी, जिसे संत मुक्ताई यात्रा कहा जाता है। वहां कुछ मनचलों ने उनके साथ धक्का–मुक्की और छेड़खानी की। यहां तक कि उनके वीडियो भी बनाये, जबकि उनके साथ यूनिफॉर्म में सुरक्षाकर्मी भी थे। उनके साथ भी धक्का–मुक्की हुई। रक्षा खडसे ने रविवार को स्वयं थाने जाकर इसकी रिपोर्ट लिखाई तब कहीं जाकर पुलिस हरकत में आई और कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह घटना छोटी लग सकती है लेकिन राहत इंदौरी ने जो इशारा अपने शेर में कर रखा है, वही इस घटना में छिपा हुआ संदेश है। केन्द्र सहित जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, उनमें अपराधों का ग्राफ बेतरह ऊपर जाने की तस्दीक स्वयं राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो अपने अधिकृत आंकड़ों में करता है। इनमें जघन्य अपराधों के साथ महिलाओं के उत्पीड़न, दुष्कर्म, उनकी हत्याओं जैसे जुर्म शामिल हैं। इसकी ओर जब ध्यान आकृष्ट किया जाता है तो स्थिति सुधारने की बजाये उनका बचाव किया जाता है या फिर उन राज्यों में होने वाले किसी अपराध की ओर उंगली उठा दी जाती है जहां गैर भाजपायी सरकार है। या कह दिया जाता है कि ऐसा भाजपा सरकार को बदनाम करने के लिये किया जा रहा है। यह रूझान भी देखने को मिलता है कि ऐसे अपराधों में हिन्दू–मुस्लिम का एंगल ढूंढा जाता है या फिर यह देखा जाता है कि इसमें कौन भाजपा समर्थक है और कौन गैर–भाजपायी। यदि अपराधी भाजपा से सम्बन्ध रखता है तो उस पर अपराध दर्ज नहीं होगा। उल्टे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को ही लेने के देने पड़ जाते हैं।इस मामले में सब कुछ अलग है। यहां भाजपा की श्डबल इंजिनश सरकार है। पीड़िता का सम्बन्ध भाजपा से ही है। उल्लेखनीय है कि रक्षा भाजपा के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की बहू हैं। यानी जिसके साथ छेड़छाड़ हुई है वह उनकी पोती है। साथ में महाराष्ट्र सरकार के मुहैया कराये सुरक्षा कर्मचारी भी थे। ऐसे में यदि उसके साथ अपराध होता है तो समझ सकते हैं कि कानून–व्यवस्था का क्या हाल है। भाजपा वालों के लिये अधिक दिक्कत यह है कि जिसे पकड़ा गया है व जिनकी तलाश है, उनमें उस जमात के लोग नहीं निकले जिनके होने की ख्वाहिश हर भाजपायी, उसके प्रवक्ता, आईटी सेल, और ट्रोल आर्मी करते हैं। अब उनके पास ऐसा कुछ नहीं रह गया कि वे भाजपा का बचाव कर सकें या इस पर किसी समुदाय विशेष, दल अथवा सरकार को घेरा जा सके। घृणा फैलाने या विष–वमन करने की उनकी रही–सही गुंजाइश पर खुद रक्षा खडसे ने यह बयान देकर पानी फेर दिया कि, जब मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं है तो आम आदमी के साथ क्या होता होगा?श एकनाथ खडसे ने तो अपनी सरकार को ही यह कहकर घेर लिया कि, महाराष्ट्र में अपराध बढ़े हैं और अपराधियों को पुलिस का डर नहीं रहा।श वैसे मुख्यमंत्री देवेन्द्र इसे एक राजनीतिक दल से जुड़े लोगों की करतूत बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यह वही महाराष्ट्र है जिसमें पालघर में दो साधुओं की हत्या के बाद भाजपा ने तत्कालीन उद्धव ठाकरे सरकार को हिन्दू विरोधी करार दिया था। भाजपा द्वारा अपराधों के राजनीतिकरण और दोहरे रवैये की बानगी देश तभी से देख रहा है जब से नरेन्द्र मोदी सरकार केन्द्रीय सत्ता में आई है। हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के लिये भाजपा ने देश को अपराधों की दुनिया में धकेल दिया है। ऐसा कहना गलत नहीं होगा कि इसका नेतृत्व स्वयं मोदी एवं केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह करते हैं। कथित बुलडोजर न्याय वाला उत्तर प्रदेश महिलाओं के खिलाफ अपराधों में अव्वल है। हाथरस, उन्नाव आदि की घटनाओं में पीड़िताएं ही प्रताड़ित हुईं। मणिपुर की वह घटना कौन भूलेगा जिसमें ईसाईयत में विश्वास करने वाले कुकी आदिवासी समुदाय की दो युवतियों के साथ हिन्दू धर्म में आस्था रखने वाले मैतेयी लोगों ने क्या सलूक किया था। उनके साथ बलात्कार हुआ फिर उनकी नग्न परेड निकाली गयी। लगभग दो साल पहले हुए इस नृशंस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तो दूर, वहां की सरकार और मोदी–शाह दोनों मौन रहे। यह मामला दुनिया भर में गूंजा था तथा जो बाइडेन के राष्ट्रपति रहते जब मोदी ने अमेरिका की यात्रा की थी, तब उनसे सवाल भी किये गये थे। यह भी याद रखा जाना चाहिये कि महिला पहलवानों के साथ बदसलूकी करने वाले भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। और तो और, इस बार उनकी कैसरगंज सीट पर उनके पुत्र करण को सांसद बनाया गया। रक्षा खडसे की पुत्री के साथ हुई घटना के बरक्स यदि भाजपा के रवैये की तुलना की जा रही है तो यह ट्रेंड खुद भाजपा ने स्थापित किया है। देश की हर महिलाएं सुरक्षित जीवन की हकदार हैं और यह सरकारों को सुनिश्चित करना होता है। यह तभी सम्भव है जब सरकारें भेदभाव से ऊपर उठकर और राजनीति को परे कर सभी महिलाओं को एक जैसी सुरक्षा प्रदान करे– वह चाहे किसी मंत्री की पुत्री हो या महिला पहलवान, उन्नाव–हाथरस की अभागी बेटियां हों अथवा मणिपुर की प्रताड़ित युवतियां। अपराधों का समर्थन पूरे मोहल्ले को जलाकर राख कर देगा।

धार्मिक अल्पसंख्यकों की माली हालत में सुधार कैसे हो

राम पुनियानी

जो लोग न्याय और बराबरी के आदर्शों में यकीन रखते हैं उनके लिए अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों, की माली हालत गंभीर चिंता का विषय है। भारत में इस्लाम सातवीं सदी में अरब व्यापारियों के साथ मलाबार तट के रास्ते आया। तब से बड़ी संख्या में हिन्दुओं ने इस्लाम अपनाया है मगर इनमें से ज्यादातर लोग वे थे जो हिन्दू धर्म में जातिगत दमन के शिकार थे और आर्थिक रूप से वंचित थे। जिसे हम मुगलकाल कहते हैं उसमें मुस्लिम बादशाह दिल्ली और आगरा से राज भले ही करते थे मगर उनके राज से समाज के ढांचे पर कोई खास असर नहीं पड़ा। अधिकांश जमींदार हिन्दू थे और वे अत्याचार करने के मामले में गरीब मुसलमानों ओर गरीब हिन्दुओं के बीच कोई भेदभाव नहीं करते थे। सन् 1857 के विद्रोह के बाद मुसलमान अंग्रेजों के निशाने पर आ गए। कारण यह कि इस विद्रोह के नेता बहादुरशाह जफर थे। मुस्लिम समुदाय को अंग्रेजों के गुस्से का सामना करना पड़ा। स्वाधीनता के बाद मुसलमानों के बारे में मिथक और उनके प्रति पूर्वाग्रह मजबूत होते गए और वे साम्प्रदायिक ताकतों के सबसे बड़े शिकार बन गए. जहां अन्य समुदाय आगे बढ़े और उनके सदस्यों ने शिक्षा और रोजगार हासिल किए वहीं कई कारणों से मुसलमान पीछे छूट गए। इन कारणों में उनके खिलाफ दुष्प्रचार और उनकी आर्थिक बदहाली शामिल थे। हमारे संविधान ने यह स्वीकार किया कि दलित और आदिवासी सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हैं और इसलिए उन्हें आरक्षण प्रदान किया जाना चाहिए। इस आरक्षण ने इन समुदायों को कुछ हद तक लाभांवित किया। जहां तक ओबीसी का प्रश्न है उन्हें 1990 से राष्ट्रीय स्तर पर 27 फीसदी आरक्षण मिलना शुरू हुआ। लेकिन कई राज्यों ने इसके पहले से ही अपने स्तर पर उन्हें आरक्षण देना शुरू कर दिया था। ओबीसी को आरक्षण का श्यूथ फॉर इक्वालिटीश जैसे कई संगठनों ने कड़ा विरोध किया था। दलितों के लिए आरक्षण का भी बड़े पैमाने पर विरोध हुआ। सन् 1980 में और फिर 1985 में गुजरात में दलित–विरोधी हिंसा हुई। इस बीच अल्पसंख्यक आर्थिक बदहाली के दलदल में और धंसते गए। इसका कारण यह था कि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई प्रावधान नहीं है। कुछ राज्यों ने ओबीसी कोटे के अंदर मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास किया मगर इसका हिन्दू राष्ट्रवादी ताकतों ने जमकर विरोध किया। मुस्लिम समुदाय की आर्थिक स्थिति के खराब होने के कई कारण हैं। उनके खिलाफ हिंसा होती रही है और हिंसा के डर से वे अपने मोहल्लों में सिमट गए हैं। वे ऐसे इलाकों में रहना पसंद करने लगे हैं जहां उनके आसपास मुसलमान ही रहते हों। उन्हें नौकरियां मुश्किल से मिलती हैं और उनमें शिक्षा का स्तर भी कम है। इस सब के बावजूद जब भी मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात होती है तो हिन्दुत्व की राजनीति के पैरोकार जोर–जोर से चीखने लगते हैं। वे इसे मुसलमानों का तुष्टिकरण बताते हैं। भारत सरकार ने गोपाल सिंह समिति, रंगनाथ मिश्र आयोग और सच्चर समिति नियुक्त कर मुसलमानों की माली हालत का जायजा लेने का प्रयास किया। इन सभी समितियों और आयोगों की रिपोर्ट में यह बताया गया कि मुसलमानों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है और पिछले कुछ दशकों में उसमें गिरावट आई है। सच्चर कमेटी ने सन 2006 में अपनी रिपोर्ट सरकार के सामने रखी थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि इस असहाय समुदाय की मदद के लिए सरकार कदम उठाएगी। अपने एक भाषण में उन्होंने कहा, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए घटक योजना को फिर से मजबूती देनी होगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि अल्पसंख्यक और विशेषकर मुस्लिम अल्पसंख्यक विकास के फल का स्वाद अन्य समुदायों की तरह चख सकें, हमें नवोन्मेषी योजनाएं बनानी होंगी। संसाधनों पर उनका सबसे पहले दावा होना चाहिए। केन्द्र की कई और जिम्मेदारियां भी हैं जिन्हें संसाधनों की उपलब्धता के अनुरूप पूरा किया जाएगा। भाजपा ने मुसलमानों की मदद करने की बात को हिन्दुओं को लूटने से जोड़ दिया। नरेन्द्र मोदी ने कहा–श्वे अब पता लगाएंगे कि हमारी माताओं–बहनों के पास कितना सोना है. वे उसे तौलेंगे, उसकी कीमत का अंदाजा लगाएंगे और फिर वो उसे बांट देंगे और वे उसे किन लोगों को देंगे यह डाक्टर मनमोहन सिंह की सरकार पहले ही साफ कर चुकी है। वह कह चुकी है कि देश की संपत्ति पर पहला हक मुसलमानों का है। इस पृष्ठभूमि में यूएस–इंडिया पॉलिसी इंस्टीट्यूट एवं सेंटर फॉर डेव्हलपमेंट पॉलिसी एंड प्रेक्टिस की हालिया रपट स्वागतयोग्य है। इस रपट का शीर्षक है रिथिकिंग एफिरमेटिव एक्शन फॉर मुस्लिम्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया और इसे हिलाल अहमद, मोहम्मद संजीर आलम एवं नजीमा परवीन ने तैयार किया है। यह रिपोर्ट मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे से हटकर बात करती है। रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया है कि मुसलमानों में अलग–अलग आर्थिक स्थिति वाले लोग हैं। कुछ लोग धनी हैं और उन्हें आरक्षण की बिलकुल जरूरत नहीं है। अन्यों के मामले में रिपोर्ट उनके धर्म की बजाय उनकी जाति पर ध्यान देने की बात कहती है। रिपोर्ट कहती है कि यह देखा जाना चाहिए कि वे लोग पारंपरिक रूप से कौन सा व्यवसाय करते आ रहे हैं। उनकी रोजी–रोटी कैसे चलती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण पर लगाई गई 50 प्रतिशत की उच्चतम सीमा को हटाने की मांग की जा रही है। इसके बाद मुसलमानों को ओबीसी और दलित कोटे में जगह दी जा सकती है। रपट में सीएसडीएस–लोकनीति द्वारा संकलित आंकड़ों का उपयोग किया गया है। रिपोर्ट के लेखक कहते हैं कि मुसलमानों के लिए आरक्षण की बात करना सांड को लाल कपड़ा दिखाना जैसा है इसलिए उन्हें उनके धर्म की बजाय उनके पेशे के आधार पर ओबीसी या एससी कोटे में जगह दी जानी चाहिए। पसमांदा मुसलमान सबसे वंचित हैं और उन्हें दलितों की श्रेणी में रखा जा सकता है। कई ईसाई समुदायों की भी स्थिति यही है। उन्हें भी अपनी रोजी–रोटी चलाने के लिए सरकार की मदद की जरूरत है। रपट में यह भी बताया गया है कि धीरे–धीरे भारतीय राज्य एक खैराती संस्था बन गया है जो सरकार की योजनाओं की जद में आने वालों को लाभार्थी कहता है। रपट के लेखक कहते हैं कि ओबीसी का तार्किक और धर्म से ऊपर उठकर उपवर्गीकरण किया जाना चाहिए। वर्तमान में चल रही योजनाओं और कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से लागू किया जाना जरूरी है। हमें सकारात्मक कदम उठाने होंगे। अगर किन्हीं दो उम्मीदवारों की अहर्ताएं और अनुभव समान हैं तो उनमें से जो जाति या लिंग के कारण हाशियाकृत हो उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुस्लिम समुदाय में बड़ी संख्या में शिल्पकार हैं। उन्हें बेहतर तकनीकी उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। यह रपट व्यापक है और वर्तमान हालात को ध्यान में रखती है। हमारी सत्ताधारी पार्टी अल्पसंख्यकों को करीब–करीब दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है। मगर सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या वर्तमान सरकार अपनी संकीर्ण संप्रदायवादी सोच से ऊपर उठकर इस रपट को लागू करेगी।

आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन का मुद्दा फिर गरमाया

डॉ. ज्ञान पाठक

मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वेतन देने का मुद्दा फिर गरमाया है। केंद्रीय बजट 2025–26 में न तो उन्हें कर्मचारी का दर्जा देने का वायदा किया गया है, जिससे उन्हें न्यूनतम वेतन भी नहीं मिल पा रहा है, और न ही उन्हें स्वयंसेवक के तौर पर दिये जा रहे मानदेय और प्रोत्साहन राशि में कोई बढ़ोतरी की गयी है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जितना काम और समय दे रही हैं, उसके बदले उन्हें कोई उचित वेतन नहीं मिल रहा है और इस तरह उनका शोषण जारी है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पिछले कई सालों से कर्मचारी या कामगार का दर्जा और उचित वेतन की मांग को लेकर आंदोलन कर रही हैं, लेकिन केंद्र सरकार उन्हें दोनों ही देने से इनकार कर रही है। दूसरी ओर राज्य सरकारों का कहना है कि वे केंद्रीय योजना कर्मी हैं और इसलिए केंद्र सरकार को उनकी मांग पर फैसला लेना है। राज्य गेंद केंद्र के पाले में फेंक देते हैं और केंद्र कहता है कि राज्य उनका मानदेय और प्रोत्साहन बढ़ा सकते हैं। हाल ही में केरल सरकार का उदाहरण लें, जहां आशा कार्यकर्ता वर्तमान में सचिवालय के सामने प्रदर्शन कर रही हैं। हालांकि राज्य सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय और प्रोत्साहन का पूरा बकाया जारी कर दिया है, लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने यह कहते हुए इस मुद्दे से अपना पल्ला झाड़ लिया कि आशा कार्यकर्ताओं के लिए क्या सही है, यह केंद्र पर निर्भर करता है। यहां तक कि सीआईटीयू के नेतृत्व वाली आशा कार्यकर्ता फेडरेशन ने भी कहा है कि राज्य सरकार नहीं, बल्कि केंद्र उन्हें उनका हक नहीं दे रहा है। केरल के कुछ जिलों में मौजूदा हड़ताल का नेतृत्व कर रही आंदोलनकारी आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ता संघ ने संकल्प लिया है कि वे अपना आंदोलन और तेज करेंगे और तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि सरकार उनके मासिक मानदेय को 7,000 रुपये से बढ़ाकर 21,000 रुपये करने और 5 लाख रुपये के सेवानिवृत्ति लाभ की मांग को स्वीकार नहीं कर लेती। हाल ही में, पूर्व केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री और भाजपा नेता वी मुरलीधरन,

जिन्होंने आंदोलनरत आशा कार्यकर्ताओं से बात की थी, ने यह कहने की हिम्मत की कि राज्य को आशा कार्यकर्ताओं की नियमित कार्यबल के रूप में रोजगार की स्थिति बदलने और उन्हें नियमित वेतन और लाभ देने का पूरा अधिकार है। फिर सवाल यह है कि केंद्र में उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए? हाल ही में दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कार्यकर्ता का दर्जा और उचित वेतन देने का मुद्दा उठाया गया था। दिल्ली में अकुशल श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन 18,066 रुपये प्रति माह है। दिल्ली में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन से बहुत कम मानदेय मिल रहा है। राज्य जो कर रहे हैं, वह दिखावा मात्र है। इसका ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल से लिया जा सकता है, जहां सरकार ने आशा कार्यकर्ताओं को मोबाइल फोन देने की घोषणा की है, ताकि वे समय पर डेटा फीड कर सकें। हालांकि, इसके आधार पर आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के अभी भी जारी शोषण को उचित नहीं ठहराया जा सकता। केन्द्र द्वारा राज्य सभा दिये गये जवाब में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने अगस्त 2024 में आशा कार्यकर्ताओं को सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयंसेवक माना था और उन्हें कार्य और गतिविधि आधारित प्रोत्साहनों का हकदार माना था। आशा कार्यकर्ताओं को नियमित और आवर्ती गतिविधियों के लिए 2000 रुपये प्रति माह का एक निश्चित मासिक प्रोत्साहन मिलता है। इसके अतिरिक्त, उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रदर्शन–आधारित प्रोत्साहन प्रदान किये जाते हैं। राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों को अपने कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) में आशा कार्यकर्ताओं को कई तरह के मौद्रिक प्रोत्साहन प्रदान करने का लचीलापन भी दिया गया है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के संचालन के साथ आयुष्मान भारत योजना के शुभारंभ के बाद, आशा कार्यकर्ता अब निगरानी किये गये प्रदर्शन संकेतकों (प्रति माह 1000 रुपये तक) के आधार पर एएनएम के साथ टीम आधारित प्रोत्साहन (टीबीआई) के लिए भी पात्र हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत, भारत सरकार राज्यों,केंद्र शासित प्रदेशों को उनके समग्र संसाधन लिफाफे के भीतर, उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के माध्यम से उनकी आवश्यकताओं के आधार पर, उनकी स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करती है। यह ध्यान देने योग्य है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका केंद्र–राज्य के बीच वित्त पोषण पैटर्न 8 पूर्वोत्तर राज्यों और 3 हिमालयी राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों (हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश) को छोड़कर सभी राज्यों के लिए 60रू40 है। हिमाचल, उत्तराखंड, तथा जम्मू और कश्मीर, में वित्त पोषण पैटर्न 90रू10 है। बिना विधानमंडल वाले केंद्र शासित प्रदेशों में यह योजना 100प्रतिशत केंद्र द्वारा वित्त पोषित है। स्वास्थ्य मानव संसाधन से संबंधित सभी प्रशासनिक और कार्मिक मामले संबंधित राज्य,केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के पास हैं। आशा द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शनों के विवरण पर राज्योंध्केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर राज्य स्तरीय बैठकोंध्राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति की बैठकों में चर्चा की गयी है, केन्द्र ने संसद को दिये जवाब में स्वीकार किया। हालांकि, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शनों के बावजूद केंद्र ने अभी तक उचित निर्णय नहीं लिया है। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को दिये जाने वाले कुल मानदेय और प्रोत्साहन में भी राज्यवार बहुत अंतर है, क्योंकि राज्य प्रति आशा कार्यकर्ता 500 रुपये से 10,000 रुपये तक का फंड प्रदान करते हैं। यह भी चिंता का विषय है, खासकर तब जब मानदेय का वास्तविक मूल्य, मूल्य वृद्धि और मुद्रास्फीति के लिए समायोजित होने पर, काफी कम हो गया है।

इस बार और भी मजेदार होगा बिहार की सत्ता का खेल, हुमा कुरैशी स्टारर `महारानी 4' का टीजर आउट

बिहार की पृष्ठभूमि पर बखूबी सत्ता के खेल को दिखाने वाली वेब सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का टीजर आउट हो चुका है। दमदार डायलॉग्स से भरे टीजर के जरिए 'रानी भारती' की दमदार वापसी देखने को मिली। टीजर वीडियो में रानी भारती का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री हुमा कुरैशी एक कुर्सी पर बैठे हुए दमदार डायलॉग बोलती नजर आती हैं। टीजर वीडियो की शुरुआत में हुमा कहती हैं कि उन्हें हत्यारा, अनपढ़ और भावी प्रधानमंत्री कहा गया है। हालांकि, उनके लिए उनका परिवार राजनीति से ज्यादा मायने रखता है और बिहार ही उनका परिवार है। वह कहती हैं, किसी ने हमको गंवार कहा, किसी ने हत्यारन, तो किसी ने भावी प्रधानमंत्री। हमको सत्ता से नहीं, परिवार से मोह है। काहे कि बिहार ही हमरा असली परिवार है और अगर कोई हमारे परिवार को नुकसान पहुंचाए तो हम सत्ता हिला देंगे। महारानी 4 के साथ रानी भारती पहले से कहीं ज्यादा मजबूती के साथ वापसी के लिए तैयार हैं, जिसमें नई चुनौतियां और संघर्ष भी देखने को मिलेगी। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक सीरीज के रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है। महारानी का पहला सीजन साल 2021 में सोनी लिव पर आया था। इस सीरीज में अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने रानी भारती का किरदार निभाया है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। हुमा के किरदार पर नजर डालें तो वह एक साधारण और अनपढ़ गृहिणी के किरदार में हैं, जिसे अचानक से राजनीति में कदम रखना पड़ता है। वह अपने पति भीमा के चोटिल होने के बाद बिहार की मुख्यमंत्री बनती हैं। सीरीज में हुमा के पति का किरदार अभिनेता सोहम शाह ने निभाया है। सीरीज का दूसरा सीजन जुलाई 2022 में आया, वहीं तीसरा सीजन 2024 में आया था। महारानी 4 की कहानी को उमाशंकर सिंह ने सुभाष कपूर और नंदन सिंह के साथ मिलकर लिखा है। निर्माण सुभाष कपूर ने किया है और निर्देशक सौरभ भावे हैं। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, विनीत कुमार, कनी कुसरुति, अनुजा साठे, सुशील पांडे, दिव्येंदु भट्टाचार्य, सोहम शाह और प्रमोद पाठक भी अहम भूमिकाओं में हैं।

> अभिनेत्री हुमा कुरैशी एक कुर्सी पर बैठे हुए दमदार डायलॉग बोलती नजर आती हैं। टीजर वीडियो की शुरुआत में हुमा कहती हैं कि उन्हें हत्यारा, अनपढ़ और भावी प्रधानमंत्री कहा गया है। हालांकि, उनके लिए उनका परिवार राजनीति से ज्यादा मायने रखता है और बिहार ही उनका परिवार है।

रणदीप हुड्डा ने विश्व वन्यजीव दिवस पर साझा किया दिल छू लेने वाला संदेश, कहा जंगल मेरा दूसरा घर है

अभिनेता रणदीप हुड्डा, जो वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी गहरी रुचि के लिए जाने जाते हैं, ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने जंगल और प्रकृति के प्रति अपने अनुभवों को खूबसूरत तस्वीरों के साथ व्यक्त किया। रणदीप ने लिखा, इस विश्व वन्यजीव दिवस पर, मैं उस अद्भुत सौभाग्य के बारे में सोचता हूं, जो मुझे जंगल की खूबसूरती को देखने और अपने कैमरे में कैद करने का मिला, खासतौर पर शक्तिशाली बाघों को। जंगल मेरा दूसरा घर बन गया है, जहां मैंने करीब से देखा है कि यह पारिस्थितिकी तंत्र कितना जटिल और आत्मनिर्भर है। प्रकृति अपने नियमों का सटीकता से पालन करती है, चाहे वह छोटे जीव हों या बड़े शिकारी। जंगल में बिताया हर पल यह एहसास दिलाता है कि सब कुछ कितनी खूबसूरती से आपस में जुड़ा हुआ है। यह एक अद्भुत दुनिया है, और इसका संरक्षण करने का हिस्सा बनने के लिए मैं आभारी हूं। रणदीप, जो न केवल एक अभिनेता बल्कि एक जुनूनी वन्यजीव फोटोग्राफर और पर्यावरण संरक्षक भी हैं, लंबे समय से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयास कर रहे हैं। उनकी गहरी जुड़ाव प्रकृति के प्रति उनके निरंतर प्रयासों में झलकती है। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने एक बार फिर से लोगों को संदेश दिया कि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखना और वन्यजीवों की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

कियारा आडवाणी ने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ दिल छू लेने वाला पोस्ट किया शेयर

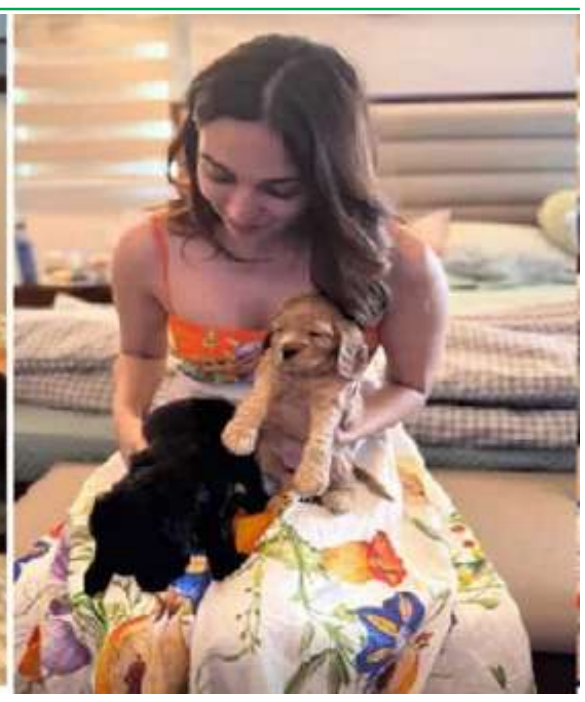

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी, जिन्होंने हाल ही में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की है। उन्होंने अपने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक दिल को छू लेने वाला पल सोशल मीडिया पर साझा किया है। सोमवार को कबीर सिंह की अभिनेत्री ने सिद्धार्थ का एक प्यारा सा वीडियो पोस्ट किया। जिसमें वह (डॉग्स) के छोटे बच्चों के साथ खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्लिप में, एक विलेन अभिनेता को बिस्तर पर बैठे साफतौर पर देखा जा सकता है। कियारा ने अभिनेता को टैग करते हुए क्लिप साझा की। उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की जिसमें वह अपनी गोद में डॉग्स के बच्चों पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। फोटो में कियारा के साथ दो डॉग्स के बच्चे भी हैं। कियारा और सिद्धार्थ ने हाल ही में घोषणा की है कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। 28 फरवरी को, शेरशाह जोड़ी ने खुशी–खुशी खुलासा किया कि वे माता–पिता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। कियारा और सिद्धार्थ ने एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने इस खुशखबरी को साझा किया। कैप्शन में लिखा था, हमारे जीवन का सबसे बड़ा उपहार, जल्द ही आ रहा है। कियारा–सिद्धार्थ द्वारा इस घोषणा के बाद, फिल्म अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु, शिल्पा शेट्टी, एकता कपूर, शरवरी, अथिया शेट्टी, रकुल प्रीत सिंह, हुमा कुरैशी, सोनाक्षी सिन्हा, रिया चक्रवर्ती, सोनू सूद और करण जौहर सहित अन्य बॉलीवुड हस्तियों ने शुभकामनाएं भेजीं। 1 मार्च को, कियारा ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर की घोषणा करने के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अभिनेत्री को मुंबई के अंधेरी में फिल्मालय स्टूडियो में देखा गया, जहां उन्होंने अपनी वैनिटी वैन के सामने पैपराजी के लिए पोज दिया। उन्होंने एक आरामदायक लेकिन स्टाइलिश ऑल–व्हाइट समर आउटफिट पहना था। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने 7 फरवरी, 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में एक निजी समारोह में शादी की थी।

शाहरुख खान ने निभाई 21 साल पुरानी दोस्ती,स्वदेस डायरेक्टर के बेटे की शादी में पहुंचे किंग खान, न्यूलीवेड संग दिए पोज

शाहरुख खान इंडस्ट्री के वो स्टार है जिनके बारे में ऐसा कहा जाता है कि जो लोग उनके क्लोज हैं वो उनका हर तरह से ध्यान रखते हैं और उन्हें काफी स्पेशल फील करवाते हैं। वह अपनी दोस्ती को बेहद ही शिद्दत के साथ निभाते हैं। हाल ही में वो अपने 21 साल पुराने दोस्त के बेटे की शादी में पहुंचे वो दोस्त कोई और नहीं बल्कि डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर हैं जिन्होंने शाहरुख की स्वदेस डायरेक्ट की थी। आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क ने 2 मार्च को नियति कनकिया के साथ सात फेरे लिए थे। उनकी शादी में कई दिग्गज बॉलीवुड सितारों ने शिरकत की थी जिनकी तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इस फंक्शन में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान भी शामिल हुए थे जिनका इवेंट से एक वीडियो भी सामने आया है। शाहरुख खान ने आशुतोष गोवारिकर के बेटे कोणार्क की शादी में ग्रैंड एंट्री ली। वे स्टाइलिश अंदाज में अपनी मैनेजर पूजा ददलानी और बॉडीगार्ड्स के साथ पहुंचे। व्हाइट शर्ट, ब्लैक ब्लेजर–पैंट और गले में टाई पहने सुपरस्टार काफी डैशिंग दिख रहे थे। मैचिंग सनग्लासेस और फॉर्मल शूज के साथ उन्होंने अपना लुक फाइनल किया था. कोणार्क गोवारिकर की शादी से शाहरुख खान का जो वीडियो सामने आया है उसमें देखा जा सकता है कि सुपरस्टार को देखते ही आशुतोष उन्हें गले लगा लेते हैं। वहीं किंग खान की एक फोटो भी सामने आई है जिसमें वे न्यूली वेड कपल कोणार्क और नियति के साथ पोज देते दिख रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान और आशुतोष गोवारिकर ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है. उन्होंने फिल्म चमत्कार (1992), कभी हां कभी ना (1994) और स्वदेश (2004) में साथ काम किया।वे 1989 के शो सर्कस में भी साथ नजर आए थे।

मोनालिसा की डांस वीडियो ने सोशल मीडिया पर मचाई खलबली, एक्सप्रेशन की कायल हुई पब्लिक

सोशल मीडिया पर इन दिनों महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा छाई हुई है। मोनालिसा आए दिन एक नई रील के साथ लोगों का ध्यान खींच रही हैं। कभी वो रील में गाना गुनगुनाते नजर आती हैं तो कभी जबरदस्त डांस से लोगों को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में उनका डांस से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है, जिसे खूब देखा और पसंद किया जा रहा है। मोनालिसा हाल ही में एक छोटी बच्ची और अपने दोस्त के साथ त्मसस बनाती नजर आईं। वीडियो में मोनालिसा, किशोर कुमार के हिट सॉन्ग दुनिया में रहना है तो पर बच्चों के साथ डांस हुए बेहद प्यारी लग रही हैं।वीडियो में मोनालिसा डांस करते हुए यूजर्स को बेहद क्यूट लग रही हैं। उनके इस वीडियो पर यूजर्स तरह–तरह के कमेंट्स करते हुए प्यार लुटा रहे हैं।

अलग हुईं तमन्ना भाटिया और अभिनेता विजय वर्मा की राहें, दोनों ने खत्म किया अपना रिश्ता

बुरी खबर, अभिनेत्री तमन्ना भाटिया और अभिनेता विजय वर्मा का रोमांटिक रिश्ता खत्म हो गया है। यह खबर ऐसे समय में आई है जब ऐसी अफवाहें उड़ रही थीं कि दोनों शादी की योजना बना रहे हैं। पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि तमन्ना और विजय कुछ हफ़्ते पहले ही अलग हो गए हैं। दोनों ने अच्छे दोस्त बने रहने का फैसला किया है। दोनों के एक करीबी सूत्र ने हमें बताया, श्तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक जोड़े के रूप में कुछ हफ़्ते पहले अलग हो गए, लेकिन वे अच्छे दोस्त बने रहने की योजना बना रहे हैं। दोनों अपने–अपने शेड्यूल में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने अपना रिश्ता 2023 में लस्ट स्टोरीज 2 की रिलीज के बाद सार्वजनिक किया था। यह दोनों का साथ में पहला प्रोजेक्ट था। इसी की शूटिंग के दौरान दोनों में दोस्ती और प्यार हुआ था। विजय ने एक बार साझा किया था कि वे अपने रिश्ते को नहीं छिपा रहे थे, फिर भी वे अपनी गोपनीयता को महत्व देते थे, हजारों तस्वीरें सिर्फ़ अपने लिए रखते थे। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि गोपनीयता बनाए रखने के लिए अनावश्यक प्रयास की आवश्यकता होती है, जैसे सार्वजनिक रूप से बाहर जाने से बचना या दोस्तों को पलों को कैद करने से रोकना। तमन्ना भाटिया ने भी एक बार फिल्म कम्पैनियन के साथ एक साक्षात्कार में विजय के साथ अपने संबंध के बारे में बात की, जिसमें बताया गया कि उनका रिश्ता स्वाभाविक रूप से बना। उन्होंने इस बात की सराहना की कि विजय ने पूरी खुलेपन के साथ उनसे संपर्क किया, जिससे उनके लिए भी ऐसा करना आसान हो गया।

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव गिरफ्तार, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अभिनेत्री को सोमवार रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया क्योंकि उसके पास से 14.8 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था। राजस्व खुफिया निदेशालय ने उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने अभिनेत्री को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या वह अकेले काम कर रही थी या दुबई और भारत के बीच चल रहे किसी बड़े तस्करी नेटवर्क का हिस्सा थी। पुलिस के अनुसार, अभिनेत्री 15 दिनों में चार बार दुबई की यात्रा करने के बाद उनके रडार पर आई। इस तरह की बार–बार की गई यात्रा ने लोगों को चौंका दिया और सोमवार को उनके लौटने के बाद लक्षित अभियान चलाया गया।

कौन हैं रान्या राव?

रान्या राव कन्नड़ सुपरस्टार सुदीप के साथ फिल्म 'माणिक्य' (2014) में अपनी भूमिका के लिए मशहूर हैं। उन्होंने इसके अलावा भी कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में भूमिका निभाई है। 33 वर्षीय रान्या कर्नाटक के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के. रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। वह कर्नाटक राज्य पुलिस आवास निगम में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद पर कार्यरत हैं।

केमिकल रंगों से रहें दूर, होली के लिए फूलों से बनाएं 5 हर्बल रंग, कलर के साथ चेहरा भी खिलेगा

होली का त्योहार एकदम नजदीक आ चुका है। ऐसे में आप होली त्योहार के लिए तैयारियां कर रहे होंगे। बाजारों में होली के लिए गुलाल से लेकर रंग, पिचकारी मिलना शुरु हो गई। अगर आपको भी केमिकल वाले रंग से एलर्जी होती है, तो आप होली के लिए घर पर ही हर्बल कलर बना सकते हैं।

होली हर्षोल्लास, रंग और जश्न का फेस्टिवल है। इस त्योहार के दौरान मौज–मस्ती और स्वादिष्ट व्यंजन खाते हैं। होली के दिन एक–दूसरे को प्यार से रंग लगाकर सारे गिले–शिकवे भुलाकर इस पर्व को जश्न मनाते हैं। अगर आप भी इस बार सुरक्षित और केमिकल फ्री वाली होली मनाना चाहते हैं, तो आप मार्केट में मिलने वाले नकली और केमिकल रंगों की जगह घर पर ही फूलों से प्राकृतिक रंग बना सकते हैं। ऑर्गेनिक गुलाल बनाना बेहद ही आसान है।

होली पर फूलों से बनाएं गुलाल

पीला रंग

आपके घर में या फिर नर्सरी में फूलों का बहार जरुर होगी। आपके घर में गेंदे के फूलों का इस्तेमाल करके पीला रंग बना सकते हैं। पीला रंग बनाने के लिए पानी में थोड़ी सी हल्दी डालकर गेंदे के फूल को उबा लें। होली खेलने के लिए आपका पीला रंग तैयार है।

नीला रंग

नीला रंग बनाने के लिए आप अपराजिता के फूलों का यूज कर सकते हैं। इसके लिए अपराजिता के फूल को 3 से 4 दिन पहले धूप में सुखा लें और इसका पाउडर बना लें। इस पाउडर को पानी में घोलकर होली के लिए नीला रंग बना सकते हैं।

गुलाबी रंग का गुलाल

गुलाबी रंग बनाने के लिए आपको गुलाब के फूलों को पानी में उबालकर उनसे गुलाबी रंग तैयार कर लें। इस रंग को बनाने के लिए उसमें अरारोट मिलाएं। जब यह सूख जाएगा, तो गुलाबी रंग का गुलाल तैयार होगा।

केसरिया रंग

होली के लिए पलाश और गेंदे के फूल से आप केसरिया रंग बना सकते हैं। सबसे पहले आपको 100 ग्राम पलाश के सूखे फूल एक बाल्टी में पानी उबालकर रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह इस पानी को छानकर अलग कर दें। केसरिया रंग बनकर तैयार है।

लाल रंग का गुलाल

होली के लिए आप बुरांस और गुड़हल के फूलों से लाल रंग बना सकते हैं। सबसे पहले आप बुरांस और गुड़हल के सूखे फूलों को पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर को आप गुलाल की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। यदि आप पानी वाला रंग बनाना चाहते हैं, तो इस रंग को पानी में मिलाकर हर्बल रंग तैयार हो जाएगा।

इफ्तारी में शामिल करें 'मोहब्बत का शरबत', बनें रहेंगे एनर्जेटिक, नोट करें आसान विधि

रमज़ान का महीना चल रहा है। इस दौरान मुसलमान रोजे रखते हैं। अगर आप इफ्तार के लिए कुछ रिफ्रेशिंग ड्रिंक बनाना चाहते हैं, जिससे आप हाइड्रेट रहे और स्वाद भी मजेदार हो। तो आप इफ्तार पार्टी के लिए आप मोहब्बत का शरबत बना सकते हैं। आइए आपको इसकी रेसिपी बताते हैं।

इस्लाम में रमज़ान के पाक महीना माना गया है और रमज़ान महीना शुरु हो चुका है। रमज़ान के पूरे महीने में मुस्लिम लोग पूरी शिद्दत से खुदा की इबादत करते हैं और रोजा भी रखते हैं। रोजे रखते समय कई नियम बताएं गए हैं। सूर्योदय से पहले जो खाया जाता है उसे सहरी कहते हैं और सूर्यास्त के बाद खाए जाने के इफ्तार कहा जाता है। रमज़ान में इफ्तारी के लिए खास ड्रिंक हर घर में जरुर बनाई जाती है। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपके लिए लेकर आए हैं गुलाब की पंखुड़ियों और दूध से बनने वाली इस ड्रिंक को मोहब्बत का शरबत नाम दिया गया है। यह ड्रिंक बॉडी को हाइड्रेट रखती है और पीने मे इसका स्वाद गजब का है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाएं मोहब्बत शरबत।

मोहब्बत का शरबत बनाने के लिए सामग्री

– 3 कप ठंडा दूध
– पानी जरुरनुसार
– 6 बड़े चम्मच चीनी
– 2 बड़े चम्मच सूखी गुलाब की पंखुड़ियां
– 1/2 कप ठंडा पानी
– 2 चम्मच गुलाब का शरबत
– 1 कप तरबूज का रस
– 5 कटे हुए तरबूज के टुकड़े
– बर्फ के टुकड़े

मोहब्बत का शरबत बनाने का तरीका

मोहब्बत का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़ा बर्तन लें। अब इसमें ठंडा दूध, पानी और तरबूज का रस डालकर सभी चीजों को एक साथ अच्छे से मिला लें। इसके बाद बर्तन में गुलाब का शरबत और चीनी डालकर दोबारा सभी चीजों को मिला लें, जब तक इसका रंग गुलाबी न हो जाए। फिर इस शरबत को कांच के गिलास में डालकर छोटे–छोटे कटे हुए तरबूज के टुकड़ों से सजाए। अब इस शरबत में गुलाब की पंखुड़ियां और बर्फ के टुकड़े डाल दें। यह लीजिए इफ्तार पार्टी के लिए मोहब्बत का शरबत रैडी है।

बदलते मौसम में गठिया के दर्द से परेशान हैं तो अपनाएं ये उपाय, नहीं पड़ेगी दवा की जरूरत

गठिया एक ऐसी बीमारी है, जो मुख्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ होती है, लेकिन आजकल यह युवाओं में भी देखने को मिल रही है। इसमें जोड़ों में दर्द, सूजन और जकड़न की समस्या उत्पन्न होती है। मौसम बदलने पर यह समस्या और भी बढ़ जाती है। महंगी दवाइयों के बावजूद अगर राहत न मिले, तो आयुर्वेदिक घरेलू उपाय अपनाना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कई शोधों ने कुछ असरदार आयुर्वेदिक नुस्खों को साझा किया है, जो गठिया के दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए, इन नुस्खों को विस्तार से जानते हैं।

अलसी से जोड़ों को मजबूती

अलसी के बीज ओमेगा–3 फैटी एसिड और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं, जो जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह बीज शरीर में सूजन को कंट्रोल करते हैं और गठिया के दर्द को कम करने में असरदार होते हैं। आप रोजाना अलसी के बीज का सेवन करके अपने जोड़ों को मजबूत बना सकते हैं। इसका सेवन आसानी से आप सुबह अपने नाश्ते में कर सकते हैं या फिर इसे किसी सलाद या दही में डाल सकते हैं।

हल्दी वाला दूधः गठिया के दर्द के लिए कारगर उपाय

हल्दी में करक्यूमिन नामक एक तत्व होता है, जो एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। यह तत्व जोड़ों की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करता है। रात को सोने से पहले हल्दी वाला दूध पीने से गठिया के दर्द में आराम मिलता है। इसके लिए एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ा शहद या गुड़ भी डाल सकते हैं। यह उपाय गठिया के दर्द में बहुत प्रभावी साबित हो सकता है।

अश्वगंधाः नेचुरल पेनकिलर

अश्वगंधा एक आयुर्वेदिक जड़ी–बूटी है, जो शरीर की कमजोरी को दूर करने और जोड़ों की सूजन को कम करने में मदद करती है। यह गठिया के मरीजों के लिए एक शानदार उपाय है। आप रोजाना एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण को गुनगुने पानी के साथ लेने से गठिया के दर्द और सूजन से राहत पा सकते हैं। यह उपाय शरीर को ताकत भी प्रदान करता है और गठिया के दर्द को कम करने में मदद करता है।

सरसों के तेल की मालिशः जोड़ों की जकड़न में राहत

गुनगुने सरसों के तेल की मालिश गठिया के दर्द और जकड़न को कम करने के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम और एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों की मजबूती बढ़ाते हैं और सूजन को घटाते हैं। आप रोजाना रात को सोने से पहले गुनगुने सरसों के तेल से अपने प्रभावित जोड़ों की मालिश कर सकते हैं। इससे रक्त संचार बेहतर होता है और दर्द में राहत मिलती है।

मेथी के बीज का पानीः सूजन और दर्द से राहत

मेथी के बीज में ऐसे तत्व होते हैं, जो सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। रात भर पानी में भिगोई हुई मेथी के बीज का पानी सुबह खाली पेट पीने से जोड़ों की सूजन और दर्द कम होता है। आप इसे 2–3 हफ्ते तक नियमित रूप से सेवन कर सकते हैं। इस उपाय से धीरे–धीरे गठिया के दर्द में कमी आती है और राहत मिलती है।

नीम और गिलोय का काढ़ाः गठिया में राहत का उपाय

नीम और गिलोय दोनों ही शरीर की इम्यून सिस्टम को बढ़ाने में मदद करते हैं। इन दोनों का संयोजन गठिया के दर्द को कम करने में बहुत असरदार होता है। आप एक गिलास पानी में 1 चम्मच गिलोय पाउडर और 5–6 नीम की पत्तियां डालकर इसे 10–15 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। जब पानी आधा रह जाए तो इसे छानकर गुनगुना पी सकते हैं। रोजाना सुबह खाली पेट इसे पीने से गठिया के दर्द में बहुत राहत मिलती है।

ये उपाय शरीर को नेचुरल तरीके से आराम देते हैं और गठिया से संबंधित समस्याओं में राहत देता हैं।

डिस्कलेमरः यह लेख केवल जानकारी के उद्देश्य से है। किसी भी घरेलू नुस्खे को अपनाने से पहले डॉक्टर से सलाह लें।

पुरुषों से ज्यादा क्यों जीती हैं महिलाएं ? इस राज को जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे

क्या आपने कभी सोचा है कि महिलाएं पुरुषों से ज्यादा क्यों जीती हैं? वैज्ञानिकों ने अभी तक इस सवाल का पूरी तरह से जवाब नहीं पाया है, लेकिन कुछ वजहें हैं जो महिलाओं की लंबी उम्र का कारण बन सकती हैं। इस लेख में हम आपको बताएगा कि क्यों महिलाएं अधिक स्वस्थ रहती हैं और क्यों उनका जीवन पुरुषों के मुकाबले ज्यादा लंबा होता है। साथ ही, जानें वो महत्वपूर्ण कारण जो महिलाओं की जीवन आशा को बढ़ाते हैं।

जीन

महिलाएं पुरुषों से जन्म के समय से ही स्वास्थ्य में बेहतर होती हैं। महिलाओं में दो एक्स क्रोमोसोम (जिनमें जीन की अधिक संख्या होती है) होते हैं, जबकि पुरुषों में एक एक्स और एक वाई क्रोमोसोम होता है। वाई क्रोमोसोम में कम जीन होते हैं और यह बीमारियों से जुड़ा हुआ होता है, जिसके कारण पुरुषों में जीवनभर अधिक मृत्यु दर रहती है।

हार्मोन

पुरुषों का मुख्य हार्मोन टेस्टोस्टेरॉन होता है, जो समय से पहले दिल की बीमारियों का कारण बन सकता है। वहीं, महिलाओं का मुख्य हार्मोन एस्ट्रोजन होता है, जो दिल की सुरक्षा करता है और महिलाओं में दिल से जुड़ी बीमारियां कम होती हैं।

प्रजनन अंग

हालांकि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर और गर्भाशय से जुड़ी बीमारियां होती हैं, पुरुषों में प्रोस्टेट ग्लैंड की समस्याएं ज्यादा होती हैं, जो गंभीर बीमारियां उत्पन्न कर सकती हैं। इसके अलावा, पुरुषों में अन्य प्रकार के कैंसर होने की संभावना अधिक होती है।

मेटाबोलिज्म

महिलाओं में अच्छा (एचडीएल) कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होता है, जो दिल की बीमारियों से बचाता है। महिलाओं में यह कोलेस्ट्रॉल 60.3 मिलीग्राम प्रति डेसीलिटर होता है, जबकि पुरुषों में यह केवल 48.5 होता है। इस कारण महिलाएं मोटापे और अन्य बीमारियों से कम प्रभावित होती हैं और उनका मेटाबोलिज्म बेहतर रहता है।

सामाजिक और व्यावहारिक कारण

महिलाओं के पास पुरुषों की तुलना में कम कार्य दबाव (वर्क स्ट्रेस) होता है। वे अधिक सोशल नेटवर्किंग करती हैं और उनके जीवन में हिंसा की मात्रा कम होती है। महिलाएं पुरुषों से कम तंबाकू, शराब और सिगरेट का सेवन करती हैं। आमतौर पर महिलाओं की डाइट ज्यादा स्वस्थ होती है और वे घरेलू कामों में ज्यादा व्यस्त रहती हैं, जिससे उनकी शारीरिक गतिविधि भी अधिक होती है।

इन सभी कारणों से महिलाएं शारीरिक और मानसिक रूप से पुरुषों से ज्यादा मजबूत होती हैं और लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जीने में सफल रहती हैं।

ऑफिस या इवेंट में पाना चाहती हैं सिंपल और क्लासी लुक तो वियर करें ये प्रिंटेड साड़ियां, लगेंगी खूबसूरत

विमेंस डे के मौके पर ऑफिस में पार्टी या फिर कई तरह के इवेंट होते हैं। पार्टी और इवेंट के दौरान अगर आप सिंपल और क्लासी नजर आना चाहती हैं, तो आप साड़ी वियर कर सकती हैं। बता दें कि साड़ी का फैशन एवरग्रीन है और बहुत सारी महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं। ऐसे में अगर आप भी इस खास मौके पर साड़ी पहनने की सोच रही हैं, तो आप प्रिंटेड साड़ी पहन सकती हैं। जो आपको सिंपल और क्लासी लुक देने में मदद करेंगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको साड़ी के कुछ ऑप्शन के बारे में बताने जा रहे हैं, ऐसे में आप इन साड़ियों को वियर कर अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

फ्लोरल जरी वर्क साड़ी

विमेंस डे के मौके पर आप ऑफिस में फ्लोरल जरी वर्क साड़ी पहनकर जा सकती हैं। इस दिनों फ्लोरल प्रिंट वाली साड़ी काफी ज्यादा ट्रेंड में है। स्टाइलिश लुक पाने के लिए यह साड़ी परफेक्ट ऑप्शन हो सकती है। इस साड़ी में आपको कई तरह के पैटर्न और कलर ऑप्शन मिल जाएंगे। फ्लोरल प्रिंट साड़ी में यकीनन आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। वहीं 1,000 से 2,000 रुपए तक की कीमत में आप इस तरह की साड़ी खरीद सकती हैं। इस तरह की फ्लोरल प्रिंट साड़ी के साथ आप ब्लैक कलर का ब्लाउज पहन सकती हैं। वहीं ज्वेलरी में लॉन्ग झुमके स्टाइल कर सकती हैं। इसके साथ ही फुटवियर में हील्स या फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं।

प्रिंटेड कॉटन साड़ी

क्लासी और एलीगेंट लुक पाने के लिए आप ऑफिस या इवेंट में प्रिटेंड कॉटन साड़ी का चुनाव कर सकती हैं। यह साड़ी पहनने के बाद काफी खूबसूरत लगती है। इस साड़ी में आपको कई कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। वहीं आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों तरह से यह साड़ी खरीद सकती हैं। इस साड़ी के साथ आप हाफ या फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज कैरी कर सकती हैं। इसके साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

एब्स्ट्रेक्ट प्रिंट साड़ी

अगर आप कुछ नया ट्राई करना चाहती हैं तो आपको एब्स्ट्रेक्ट प्रिंट साड़ी का चुनाव करना चाहिए। यह साड़ी क्लासी लुक पाने के लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह की साड़ी में आपको कई तरह के कलर और पैटर्न ऑप्शन मिल जाएंगे। मार्केट में 1,500 रुपए तक में आराम से यह साड़ी मिल जाएगी। इस साड़ी के साथ बैकलेस ब्लाउज या फिर हाल्टर नैक डिजाइन वाला ब्याउज पहन सकती हैं। वहीं आप पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी वियर कर सकती हैं।

संक्षिप्त

पेट्रोलियम मंत्रालय ने गैस माइग्रेशन विवाद मामले में 2.81 बिलियन डॉलर की मांग उठाई

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ओएनजीसी के ब्लॉक से केजी–डी6 ब्लॉक में गैस माइग्रेशन को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद को लेकर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और उसके कंसोर्टियम पार्टनर्स – बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और निको (एनईसीओ) लिमिटेड को 2.81 बिलियन डॉलर की मांग जारी की है। यह दावा 2018 के एक मामले से उपजा है, जब भारत सरकार (जीओआई) ने केजी–डी6 कंसोर्टियम, जिसमें आरआईएल भी शामिल है, के खिलाफ ओएनजीसी के पड़ोसी ब्लॉकों से गैस के पलायन का आरोप लगाया था। मंत्रालय ने शुरू में कथित प्रवासन के संबंध में लगभग 1.55 बिलियन डॉलर का मुआवज़ा मांगा था। यह कानूनी विवाद न्यायिक कार्यवाही की एक श्रृंखला द्वारा और भी जटिल हो गया, जिसके बाद मामला दिल्ली उच्च न्यायालय तक पहुँच गया। मई 2023 में, दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने आरआईएल के पक्ष में एक मध्यस्थता पुरस्कार को चुनौती देने वाली भारत सरकार की अपील को खारिज कर दिया था। हालाँकि, सरकार द्वारा एक खंडपीठ में अपील करने के बाद, न्यायालय ने 3 मार्च, 2025 को दिए गए एक निर्णय में पहले के फैसले को पलट दिया। इस उलटफेर के परिणामस्वरूप, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब अद्यतन कानूनी घटनाक्रम और गैस स्थानांतरण मुद्दे के संशोधित मूल्यांकन का हवाला देते हुए 2.81 बिलियन डॉलर की मांग उठाई है। रिलायंस ने कहा कि वह इस ताजा फैसले को अदालत में चुनौती देने की योजना बना रही है। रिलायंस और उसके साझेदारों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

ओला इलेक्ट्रिक को पीएलआई लक्ष्य पूरा नहीं करने के लिए आईएफसी से मिला पत्र

नयी दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी को उन्नत रसायन सेल के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने से चूक को लेकर आईएफसीआई लि. से पत्र मिला है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, कंपनी पीएलआई–एसीसी योजना के तहत तय उत्पादन और निवेश संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर सकी है। ओला इलेक्ट्रिक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि हमें 28 जुलाई, 2022 के कार्यक्रम समझौते की अनुसूची एम के अनुसार लक्ष्य

(माइलस्टोन–1) पूरा नहीं कर पाने के लिए आईएफसीआई लि. से एक पत्र मिला है। कंपनी इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से जुड़ी हुई है और उचित प्रतिक्रिया दाखिल करने की प्रक्रिया में है। कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेल टेक्नोलॉजीज ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय के साथ एक समझौता किया था। योजना के तहत आईएफसीआई लि. को पीएलआई एसीसी योजना के लिए परियोजना प्रबंधन एजेंसी नियुक्त किया गया था। इस बारे में पूछे जाने पर ओला के प्रवक्ता ने कहा, ''हमने मार्च, 2024 में अपनी गीगा फैक्ट्री में परीक्षण उत्पादन शुरू किया और मई, 2024 में हमारे लिथियम–आयन सेल के लिए सफलतापूर्वक बीआईएस प्रमाण पत्र प्राप्त किया। हमने पहले ही वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही से अपने सेल के वाणज्यिक उत्पादन शुरू होने की घोषणा कर दी है और हम निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा करने के लिए योजना के अनुसार आगे बढ़ रहे हैं।'' प्रवक्ता ने कहा कि ओला इलेक्ट्रिक सरकार की पीएलआई एसीसी योजना के तहत भारत में वाणिज्यिक रूप से लिथियम–आयन सेल का विनिर्माण करने वाली पहली कंपनी होगी।

निफ्टी में 10 दिन से जारी गिरावट पर विराम; 23300 के पार सूचकांक, सेंसेक्स 740 अंक चढ़ा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लंबे समय बार बुधवार को खरीदारी दिखी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 740.30 अंक यानी 1.01 प्रतशित की छलांग के साथ 73,730.23 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 943.87 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 254.65 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,337.30 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ, निफ्टी में 10 कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर विराम लगा। कारोबार के दौरान यह 312.25 अंक तक चढ़ गया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, आईटीसी, नेस्ले इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से तेजी रही। दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक और जोमैटो के शेयरों में गिरावट रही। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में मजबूत संकेतों के साथ घरेलू सूचकांकों में तेजी आई। इसका कारण यह संकेत है कि वैश्विक व्यापार तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन कुछ शुल्क दरों को वापस ले सकता है। इससे धारणा मजबूत हुई।'' तापसे ने कहा कि इसके अलावा, फरवरी पीएमआई सूचकांक में वृद्धि जैसे स्थानीय कारकों ने भी बाजारों धारणा को मजबूती दी। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग में सुधार के कारण फरवरी में भारत के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेज वृद्धि देखी गई।

चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हुए ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका, स्टीव स्मिथ ने वनडे से लिया संन्यास

दुबई, एजेंसी। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को एक और झटका लगा है। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कमान संभालने वाले स्टीव स्मिथ ने वनडे प्रारूप को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को इसकी घोषणा की है। ऑस्ट्रेलिया को मंगलवार को भारत के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। पैट कमिंस की गैरमौजूदगी में स्मिथ टीम की कमान संभाल रहे थे। वह टेस्ट खेलते रहेंगे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में वह काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं।

कोहली ने स्मिथ को गले लगाया

मंगलवार को टीम इंडिया की जीत के बाद कोहली स्मिथ से गले मिलते दिखे थे। इसे 35 साल के स्मिथ के संन्यास से भी जोड़ा जा रहा है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं है कि स्मिथ ने कोहली को इसकी जानकारी दी थी या नहीं। स्मिथ और कोहली दोनों को मौजूदा समय के चार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में गिना जाता है। स्मिथ को जहां टेस्ट में महारत हासिल है, वहीं कोहली को वनडे में बेस्ट माना जाता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा कि स्मिथ ने अपने साथी खिलाड़ियों को भारत से चार विकेट से मिली हार के बाद अपने फैसले से अवगत करा दिया था। वह टी20 और टेस्ट क्रिकेट खेलते रहेंगे। स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि यह दूसरों के लिये रास्ता बनाने का सही समय है। यह शानदार सफर रहा और मैने हर पल का मजा लिया। उन्होंने कहा, टेस्ट क्रिकेट प्राथमिकता है और मैं विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल को लेकर उत्साहित हूं। इसके बाद वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से खेलना है। मुझे लगता है कि अभी भी योगदान दे सकता हूं।

स्मिथ का वनडे करियर

स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए कुल 170 वनडे खेले और 5800 रन बनाए। इस दौरान उनका

औसत 43.28 का और स्ट्राइक रेट 86.96 का रहा। वनडे में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 164 रन की है। वनडे में उन्होंने 35 अर्धशतक और 12 शतक लगाए हैं। स्मिथ चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुछ फॉर्म में नहीं थे। उन्होंने तीन पारियों में 48.50 की औसत से 97 रन बनाए थे। भारत के खिलाफ 73 रन उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही। स्मिथ को शमी ने फुल टॉस गेंद पर क्लीन बोल्ड किया था। स्मिथ ने 19 फरवरी, 2010 को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था। वह 2015 और 2023 में दो बार वनडे विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

टेस्ट में स्मिथ के शानदार आंकड़े

हालांकि, स्मिथ टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने सबसे लंबे प्रारूप में कई रिकॉर्ड्स बनाए हैं। 116 टेस्ट की 206 पारियों में स्मिथ ने 56.75 की औसत से 10,271 रन बनाए हैं। 239 रन की पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी रही है। इस दौरान उन्होंने 36 शतक और 41 अर्धशतक बनाए हैं। इनमें चार दोहरे शतक भी शामिल हैं। स्मिथ ने 67 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। इसमें उन्होंने 24.86 की औसत और 125.46 के स्ट्राइक रेट से 1094 रन बनाए। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं।

मोहम्मद शमी ने स्वीकारा, कहा– `दुबई में खेलने से भारत को मिल रहा फायदा'

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में अभी तक भारतीय टीम का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा है। टीम इंडिया ने लीग मैचों में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिसके बाद सेमीफाइनल में उसकी भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से हुए जहां रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को मात देकर फाइनल में जगह बनाई है। वहीं अब इस मेगा इवेंट का फाइनल 9 मार्च को दुबई में ही खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया ने हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई में खेले हैं। जिस कारण कई टीमों ने कहा कि भारत को एक ही वेन्यू में खेलने का फायदा मिल रहा है। अब इस बात को खुद टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी कबूल किया है कि भारत को एक ही वेन्यू पर खेलने का फायदा हुआ है। शमी

ने कहा कि भारत के अकेले प्रमुख तेज गेंदबाज होने के नाते उन पर काफी जिम्मेदारी है लेकिन वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चौंपियंस ट्रॉफी में टीम की जरूरतों पर खरे उतर सकें। चोट से उबरकर वापसी करने वाले शमी ने चोटिल जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में चौंपियंस ट्रॉफी के दौरान हर्षित राणा या हार्दिक पंड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि टीम इंडिया सारे मैच दुबई में खेल रही है।

उन्होंने कहा कि, इससे निश्चित तौर पर फायदा मिला है क्योंकि हम हालात और पिच को बखूबी समझते हैं। एक ही जगह सारे मैच खेलने से फायदा मिला है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया पर सेमीफाइनल में चार विकेट से मिली जीत के बाद मिश्रित जोन में कहा कि, मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है लेकिन वह शत प्रतिशत से ज्यादा देने की कोशिश कर रहे हैं। राणा अभी नए हैं और पंड्या हरफनमौला है जो आम तौर पर वनडे मैच में दस ओवर नहीं डालते। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में आठ विकेट झटके हैं।

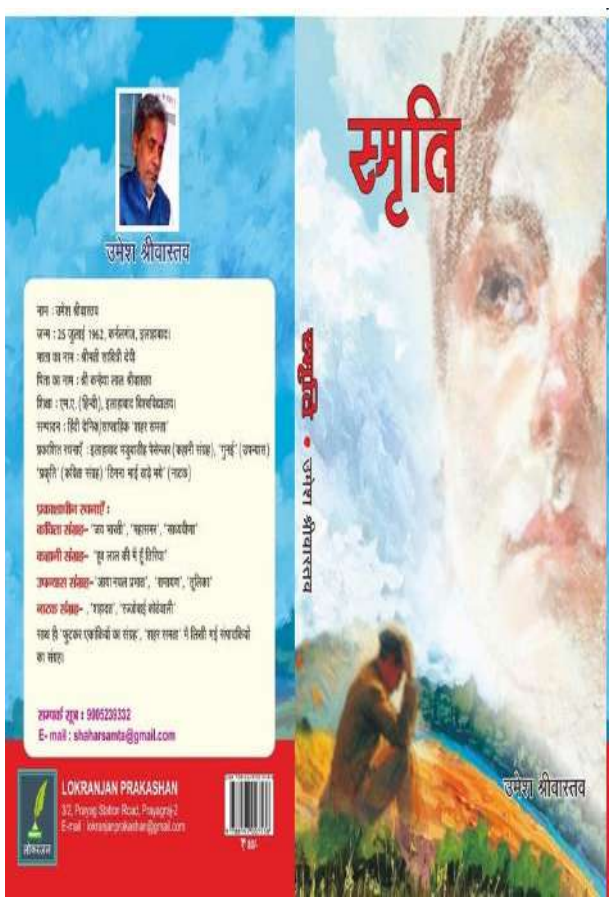

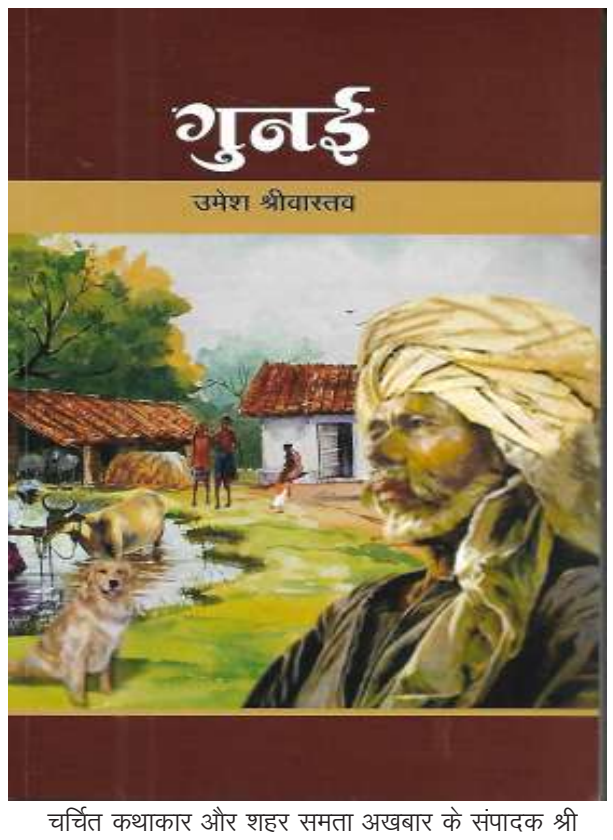

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

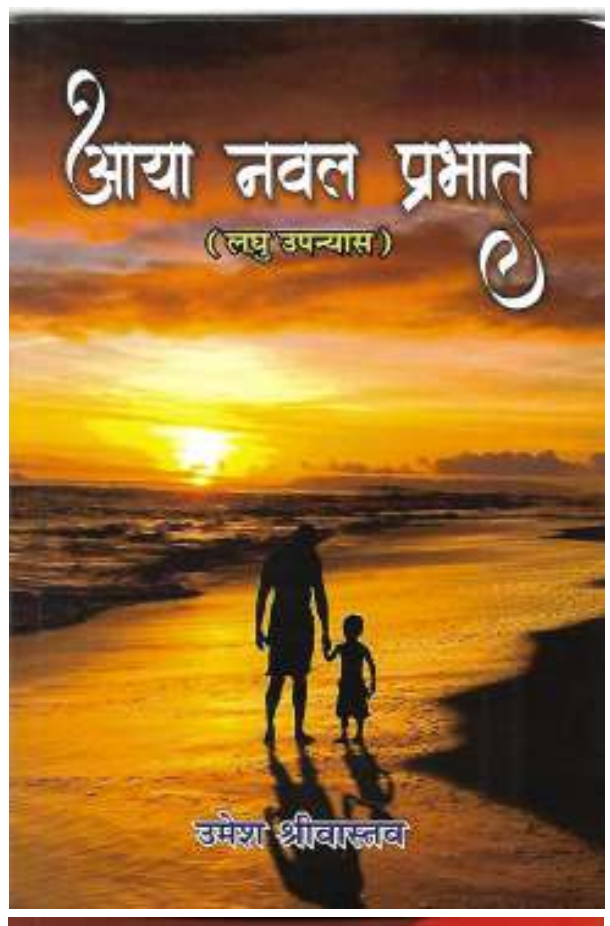

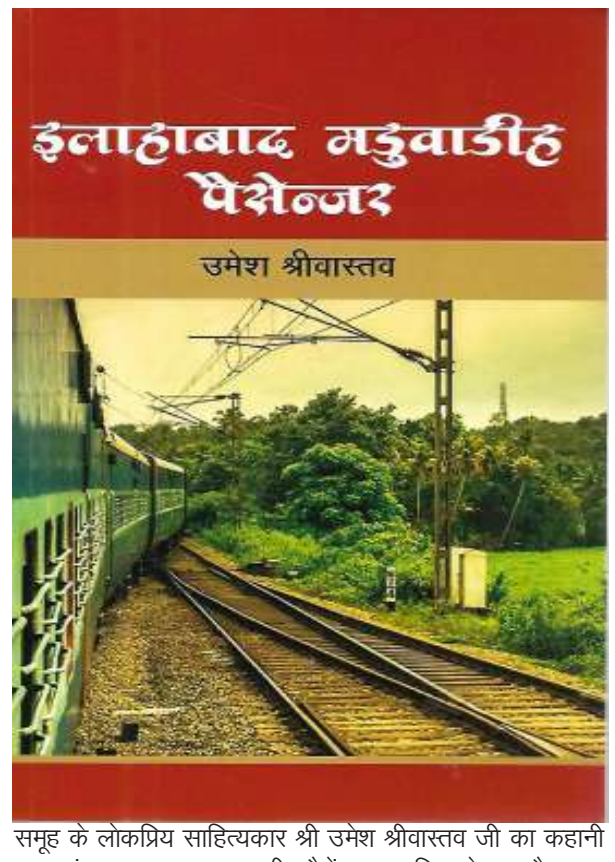

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

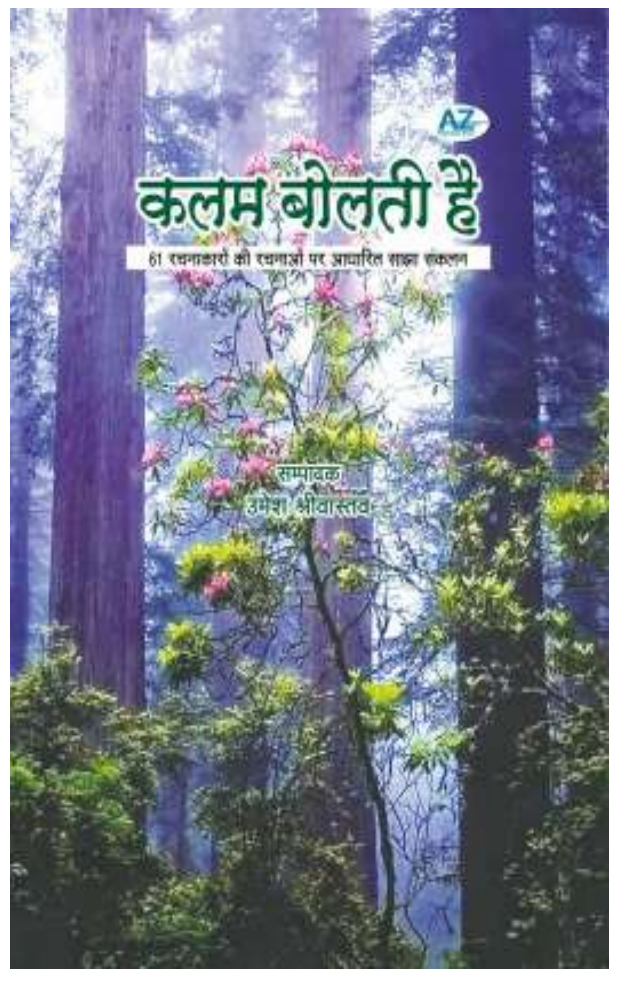

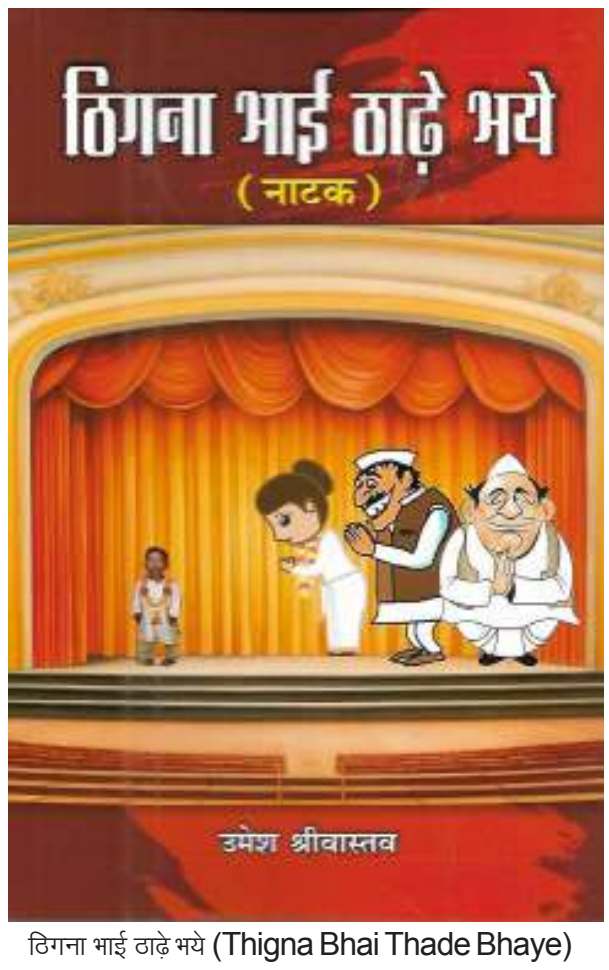

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मोदी-ट्रंप की दोस्ती नहीं आई भारत के किसी काम, 2 अप्रैल से भारत पर पारस्परिक टैरिफ लागू होंगे

राष्ट्रपति पद पर दोबारा लौटने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में दिये गये अपने पहले संबोधन में कई बड़े ऐलान तो किये ही हैं साथ ही अपने कई हालिया फैसलों के लिए हो रही उनकी आलोचनाओं का भी करारा जवाब दे दिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह टैरिफ युद्ध को अमेरिका के लिए फायदेमंद बताया, जिस तरह एलन मस्क की ओर से गैर-जरूरी कर्मचारियों को सरकारी नौकरी से हटाये जाने को सही ठहराया, जिस तरह अपनी विस्तारवादी नीति को सही ठहराया वह दर्शाता है कि ट्रंप जो बातें ठान कर व्हाइट हाउस में आये थे उसे वह पूरा करके ही दम लेंगे। ट्रंप ने अपने संबोधन में आव्रजन, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा की दिशा में उठाए गए कदमों पर चर्चा की। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने जब यह कहा कि उनके हालिया फैसलों की वजह से श्अमेरिका वापस आ गया हैश और अमेरिका का विश्वास व सम्मान लौटा है तो इसके विरोध में कुछ डेमोक्रेट बाहर चले गए। 100 मिनट का यह भाषण आधुनिक अमेरिकी इतिहास में राष्ट्रपति की ओर से कांग्रेस में दिया गया सबसे लंबा भाषण था। इस भाषण को सिर्फ अमेरिकी कांग्रेस में बैठे नेता ही नहीं सुन रहे थे बल्कि विश्व नेता भी ट्रंप के भाषण पर करीब से नजर रख रहे थे। ट्रंप ने अपने भाषण के केवल कुछ मिनट ही विदेश नीति को समर्पित किये और अर्थव्यवस्था से जुड़े बिंदुओं को गहराई से छुआ। ट्रंप ने साफ कहा कि शुल्क अमेरिका को फिर से अमीर और महान बनाने के लिए हैं। ट्रंप ने संघीय बजट को संतुलित करने की कसम खाई, यहां तक कि उन्होंने सांसदों से एक व्यापक कर कटौती एजेंडा लागू करने का आग्रह भी किया। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कांग्रेस को इस साल के अंत में देश की ऋण सीमा बढ़ाने की ज़रूरत है या फिर विनाशकारी डिफ़ॉल्ट का जोखिम उठाना होगा। ट्रंप ने बार-बार अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन पर विभिन्न फैसलों को लेकर हमला भी किया। राष्ट्रपति ने साथ ही अरबपति व्यवसायी एलन मस्क और उनके सरकारी दक्षता विभाग की प्रशंसा की, जिन्होंने 100,000 से अधिक संघीय कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है, अरबों डॉलर की विदेशी सहायता में कटौती की है और कई एजेंसियों को बंद कर दिया है। राष्ट्रपति ने मस्क को ष्सैंकड़ों अरब डॉलर की धोखाधड़ीष की पहचान करने का श्रेय भी दिया। गैलरी में बैठे मस्क को रिपब्लिकन से भी सराहना मिली। राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से 4.5 ट्रिलियन डॉलर की व्यापक योजना पारित करने का आह्वान किया, जो उनके 2017 के कर कटौती का विस्तार करेगी, सीमा सुरक्षा कड़ी करेगी और बड़े पैमाने पर निर्वासन के काम के लिए निधि देगी। ट्रंप ने कहा कि पिछले महीने अवैध रूप से सीमा पार करने की घटनाएं अब तक की सबसे कम रहीं क्योंकि उनका प्रशासन इस समस्या को पूरी तरह खत्म करने के लिए सख्त कदम उठा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन सहित अन्य देशों द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने की आलोचना करते हुए इसे ''बेहद अनुचित'' करार दिया है। ट्रंप ने साथ ही घोषणा की है कि अगले महीने से जवाबी शुल्क लगाए जाएंगे। ट्रंप ने मंगलवार रात अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए कहा, ''अन्य देशों ने दशकों से हमारे खिलाफ शुल्क लगाए हैं और अब हमारी बारी है कि हम उन देशों के खिलाफ इसका इस्तेमाल करें।'' उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू), चीन, ब्राजील, भारत, मेक्सिको और कनाडा क्या आपने उनके बारे में सुना है। ऐसे अनेक देश हैं जो हमारी तुलना में हमसे बहुत अधिक शुल्क वसूलते हैं। यह बिल्कुल अनुचित है। राष्ट्रपति ने जवाबी शुल्क को लेकर अपना पक्ष रखा और कहा कि ये दो अप्रैल से लगाए जाएंगे। अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, ''हमारे उत्पादों पर चीन का औसत शुल्क दोगुना है... और दक्षिण कोरिया का औसत शुल्क चार गुना ज्यादा है। जरा सोचिए, चार गुना ज्यादा और हम दक्षिण कोरिया को सैन्य रूप से तथा कई अन्य तरीकों से इतनी मदद देते हैं। लेकिन यही होता है। यह दोस्त और दुश्मन दोनों की तरफ से हो रहा है। यह प्रणाली अमेरिका के लिए उचित नहीं है। 'व्हाइट हाउस' में अपने दूसरे कार्यकाल में कांग्रेस को पहली बार संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत हमसे 100 प्रतिशत से अधिक ऑटो शुल्क वसूलता है।'' उन्होंने कहा कि हम भी जवाब में वैसे ही शुल्क लगाएंगे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उनका प्रशासन ''जल्द'' भारत और चीन जैसे देशों पर जवाबी शुल्क लगाएगा, उन्होंने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान भी यह बात कही थी। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी को यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत को अमेरिका के जवाबी शुल्क से नहीं बख्शा जाएगा। ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया है कि शुल्क संरचना पर कोई भी उनसे बहस नहीं कर सकता। उन्होंने यूक्रेन के साथ खनिज सौदे को आगे बढ़ाने की इच्छा का संकेत भी दिया। ट्रंप ने कहा, ष्साथ ही, हमने रूस के साथ गंभीर चर्चा की है और हमें मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं।ष उन्होंने कहा कि उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से एक अहम पत्र मिला है जिसके मुताबिक उनका देश शांति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है। ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा कि हम इसे हर हाल में हासिल करके रहेंगे। वहीं उन्होंने मध्य पूर्व में शांति लाने और अब्राहम समझौते का विस्तार करने के अपने वादों को दोहराया है। बहरहाल, देखना होगा कि अमेरिका की ओर से लगाये जाने वाले टैरिफ पर भारत का क्या रुख रहता है। वैसे हम आपको यह बता दें कि चीन ने ट्रंप द्वारा उसके निर्यात पर दूसरे दौर का 10 प्रतिशत शुल्क लगाने के जवाब में अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त 15 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है। चीन ने इसके साथ ही विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में अमेरिका के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी है। हालांकि, चीन ने एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने के लिए वार्ता के लिए दरवाजे खुले रखे हैं। दूसरी ओर, विशेषज्ञों ने राय जताई है कि अमेरिका द्वारा चीन, मेक्सिको और कनाडा पर उच्च शुल्क लगाए जाने से भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में अपना निर्यात बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। विशेषज्ञों ने कहा है कि जिन क्षेत्रों को लाभ हो सकता है उनमें कृषि, इंजीनियरिंग, मशीन उपकरण, परिधान, कपड़ा, रसायन और चमड़ा शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान जब अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर उच्च शुल्क लगाया था, तो भारत चौथा सबसे बड़ा लाभार्थी था।

संक्षिप्त

जस्टिन ट्रूडो ने टैरिफ वॉर को बताया मूर्खतापूर्ण, ट्रंप पर लगाया व्लादिमीर पुतिन को खुश करने का आरोप

कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अमेरिकी टैरिफ को बहुत मूर्खतापूर्ण कहा और दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू करते हुए रूस को खुश कर रहे हैं। कार्यालय में अपने अंतिम दिनों के दौरान एक स्पष्ट संवाददाता सम्मेलन में, ट्रूडो ने कहा कि ट्रम्प के 25 प्रतिशत टैरिफ के जवाब में कनाडा 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक अमेरिकी सामानों पर जवाबी टैरिफ

लगाएगा। क्रोधित ट्रूडो ने कहा कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने सबसे करीबी साथी और सहयोगी, अपने सबसे करीबी दोस्त कनाडा के खिलाफ व्यापार युद्ध शुरू किया। साथ ही वे झूठ बोलने वाले, हत्यारे तानाशाह व्लादिमीर पुतिन को खुश करते हुए रूस के साथ सकारात्मक रूप से काम करने की बात कर रहे हैं। इसका मतलब समझो। ट्रम्प ने वाशिंगटन के तीन सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ टैरिफ लगाया, मेक्सिको, कनाडा और चीन से तत्काल प्रतिशोध लिया और वित्तीय बाजारों को संकट में डाल दिया। आधी रात के ठीक बाद, ट्रम्प ने मैक्सिकन और कनाडाई आयात पर 25 प्रतिशत कर या टैरिफ लगा दिया, हालांकि उन्होंने कनाडाई ऊर्जा पर लेवी को 10 प्रतिशत तक सीमित कर दिया। ट्रूडो ने गुस्से में आरोप लगाया कि ट्रंप कनाडाई अर्थव्यवस्था का पूरी तरह पतन चाहते हैं, क्योंकि इससे कनाडा को अमेरिका में मिलाना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं होने वाला है। हम कभी भी 51वें राज्य नहीं बनेंगे। बाद में मंगलवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने नरमी के संकेत देते हुए कहा कि शुल्क को रोका नहीं जाएगा, लेकिन ट्रंप कुछ समझौता कर लेंगे।

हवाई में ज्वालामुखी से लावा फूटा, 150 फुट से ज्यादा ऊंचाई तक पहुंचा

अमेरिका के हवाई में मंगलवार को ज्वालामुखी से लावा फूटा और 150 फुट से ज्यादा ऊंचाई तक गया। रुक-रुक कर हो रहे विस्फोट के कारण लावे के और ऊंचाई तक जाने की आशंका है। बिग आइसलैंड के 'हवाई वोलकेनोज़ नेशनल पार्क' में स्थित विश्व के सर्वाधिक सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक 'किलाउआ' के शिखर पर 23 दिसंबर से विस्फोट होना शुरू हुआ। मंगलवार को 12वां विस्फोट हुआ। हवाई ज्वालामुखी वेधशाला ने कहा कि सुबह हल्के प्रवाह के साथ लावा निकलना शुरू हुआ लेकिन दोपहर में इसमें तेजी आई। लावा 150 से 165 फुट तक की ऊंचाई तक गया और इसके और ऊंचाई पर जाने की आशंका है। विस्फोट से किसी भी आवासीय क्षेत्र को खतरा नहीं है।

'यदि अमेरिका युद्ध चाहता है तो हम अंत तक लड़ने के लिए तैयार', टैरिफ वार के बीच ट्रंप को चीन का जवाब

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सत्ता में वापसी के बाद अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार तेज हो गया है। अमेरिका में चीनी दूतावास ने फेंटेनल मुद्दे पर ट्रम्प के टैरिफ पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यदि वाशिंगटन युद्ध चाहता है, तो बीजिंग श्अंत तक लड़ने के लिए तैयारश है। यह एक तरह के व्यापार युद्ध के बीच आया है जिसमें दोनों देशों ने एक दूसरे से आयात पर शुल्क लगा दिया है। एक्स पर दूतावास ने लिखा कि अगर अमेरिका वास्तव में फेंटेनाइल मुद्दे को हल करना चाहता है, तो एक-दूसरे के साथ समान व्यवहार करके चीन के साथ परामर्श करना सही बात है। दूतावास ने साफ तौर पर कहा कि यदि अमेरिका युद्ध चाहता है, चाहे वह टैरिफ युद्ध हो, व्यापार युद्ध हो, या किसी अन्य प्रकार का युद्ध हो, हम अंत तक लड़ने के लिए तैयार हैं। इस बीच, चीनी विदेश मंत्रालय ने फेंटेनल मुद्दे को चीनी आयात पर अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने के लिए श्एक कमजोर बहानाश बताया। मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि देश के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए चीन के जवाबी कदम पूरी तरह से वैध और आवश्यक थे। वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और चीन सहित अन्य देशों द्वारा उच्च शुल्क लगाए जाने की आलोचना की और इसे ''बेहद अनुचित'' करार दिया। ट्रंप ने साथ ही घोषणा की कि अगले महीने से जवाबी शुल्क लगाए जाएंगे।

पोप की स्थिति स्थिर, सांस का कोई संकट नहीं; लेकिन वेंटिलेशन मास्क के साथ सोएंगे : वेटिकन

एक दिन पहले सांस लेने में बड़ी दिक्कत के बाद मंगलवार को पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर रही और वह सिर्फ पूरक ऑक्सीजन की मदद से सांस ले रहे हैं, लेकिन रात में वह फिर से 'वेंटिलेशन मास्क' का उपयोग करेंगे। वेटिकन ने यह जानकारी दी। वेटिकन ने यहां जारी नवीनतम सूचना में बताया कि आज फ्रांसिस को कोई और श्वसन संबंधी समस्या नहीं हुई तथा उन्होंने पूरा दिन प्रार्थना, आराम और श्वसन फिजियोथेरेपी में बिताया। चिकित्सकों ने कहा कि वे पोप के सोते समय उन्हें पुनः यांत्रिक श्वसन मास्क लगा देंगे, लेकिन दिन के समय वह केवल पूरक ऑक्सीजन के उच्च प्रवाह का ही उपयोग करते रहे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

अमेरिका-यूक्रेन के बीच खनिज समझौते पर होंगे हस्ताक्षर ? डोनाल्ड ट्रंप बोले- उन्हें ज़ेलेंस्की से एक पत्र मिला है

अपने घंटों लंबे भाषण के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्हें यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से एक पत्र मिला है, जिसके कुछ ही दिनों बाद सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की गई थी और यूक्रेन को अमेरिकी सहायता निलंबित कर दी गई थी। ज़ेलेंस्की ने अपने पत्र में एक खनिज सौदे पर बातचीत करने की इच्छा व्यक्त की, जिससे दोनों देशों को काफी फायदा हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि मंगलवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की का प्राप्त एक पत्र मिला है जिसमें कहा गया है कि युद्ध प्रभावित देश के राष्ट्रपति पुनः वार्ता की मेज पर आना चाहते हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते 'ओवल ऑफिस' में जेलेंस्की की ट्रंप के साथ तीखी नोकझोंक हुई थी जिसके बाद रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौते के लिए वार्ता को विफल माना जा रहा था। ट्रंप ने कहा, हमने रूस के साथ गंभीर चर्चा की है और हमें इस बात के मजबूत संकेत मिले हैं कि वे शांति के लिए तैयार हैं।" पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक विवादास्पद बैठक के बाद इस सौदे को रोक दिया गया था, जिसमें ज़ेलेंस्की को अचानक छोड़ दिया गया था। उस बैठक के दौरान, ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ज़ेलेंस्की को चेतावनी देते हुए सुझाव दिया कि उन्हें मीडिया के सामने अतिरिक्त सहायता मांगने के बजाय अमेरिकी समर्थन के लिए आभार व्यक्त करना चाहिए। ट्रंप ने कहा था, ''आप तीसरे विश्व युद्ध के साथ जुआ खेल रहे हैं।'' ट्रंप ने अपने भाषण में यह भी कहा, ''मैं भी यूक्रेन में क्रूर संघर्ष को ख़त्म करने के लिए अथक प्रयास कर रहा हूं.'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर हफ्ते हजारों रूसी और यूक्रेनियन मारे जा रहे हैं और उन्होंने संघर्ष को रोकने की इच्छा व्यक्त की, उन्होंने अलंकारिक रूप से पूछा, ष्क्या आप चाहते हैं कि यह अगले पांच वर्षों तक चलता रहे? उन्होंने यूक्रेन को सहायता देने की तुलना में रूसी तेल पर अधिक खर्च करने के लिए यूरोप की आलोचना की और इसकी तुलना यूक्रेन को अमेरिका द्वारा दी जाने वाली सैकड़ों अरबों डॉलर की सहायता से की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने यूक्रेन पर 300 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए हैं जबकि यूरोप ने 100 अरब डॉलर खर्च किए हैं। पिछले हफ्ते की बैठक के नतीजों के बावजूद, अमेरिकी अधिकारी कीव में अपने समकक्षों के साथ संपर्क में हैं, उन्हें खनिज सौदे पर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और ज़ेलेंस्की के सलाहकारों को यूक्रेनी राष्ट्रपति को ट्रम्प से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए मनाने की सलाह दे रहे हैं, जैसा कि रॉयटर्स ने स्थिति से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए बताया है।

रूस को रोकने के लिए अमेरिका-यूक्रेन के बीच खनिज समझौता ज्यादा कारगर उपाय होगा : उपराष्ट्रपति वेंस

वाशिंगटन । अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा है कि अमेरिका-यूक्रेन के बीच महत्वपूर्ण खनिजों का समझौता, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल स्थापित करने के प्रस्ताव की तुलना में रूस को रोकने के लिए अधिक कारगर उपाय हो सकता है। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी देशों ब्रिटेन और फ्रांस ने युद्ध के बाद यूक्रेन के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल बनाने का प्रस्ताव रखा है। वेंस ने सोमवार को 'फॉक्स न्यूज चौनल' के सीन हैनिटी के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि यह समझौता अमेरिका को यूक्रेन के महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुंच प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ''यह किसी ऐसे देश से 20,000 सैनिकों को भेजने की तुलना में बेहतर सुरक्षा गारंटी है, जिसने 30 या 40 वर्षों से कोई युद्ध नहीं लड़ा है।'' इन टिप्पणियों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर तथा फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच यूक्रेन के मुद्दे पर मतभेदों का पता चलता है। यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन में संघर्ष-पश्चात शांति सेना की स्थापना का आह्वान किया है, ताकि यदि रूस और यूक्रेन युद्ध विराम पर पहुंच जाते हैं, तो रूस को फिर से हमले करने से रोका जा सके। वेंस ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप जानते हैं कि, यदि आप वास्तविक सुरक्षा गारंटी चाहते हैं, यदि आप वास्तव में यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर दोबारा आक्रमण न करें, तो सबसे अच्छी सुरक्षा गारंटी यूक्रेन के भविष्य के लिये अमेरिकियों को आर्थिक लाभ देने में है।'' राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक अधिकारी ने सोमवार को पुष्टि की थी कि ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी सहायता रोकने का निर्देश दिया है, क्योंकि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की पर रूस के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए वार्ता में शामिल होने का दबाव बनाना चाहते हैं। पिछले सप्ताह जेलेंस्की की ट्रंप और वेंस के साथ बातचीत के दौरान तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने साफ किए अपने इरादे, कहा- पनामा और ग्रीनलैंड लेकर रहेंगे

जनवरी में व्हाइट हाउस लौटने के बाद मंगलवार को अमेरिकी कांग्रेस में अपने पहले संयुक्त संबोधन के दौरान डोनाल्ड ट्रम्प ने पनामा नहर को पुनः प्राप्त करने के बारे में साहसिक वादे किए, और ग्रीनलैंड को संयुक्त राज्य अमेरिका में शामिल होने का निमंत्रण दिया। राष्ट्रपति बनने के ठीक एक महीने बाद उनका भाषण इस बात पर केंद्रित था कि वह देश और विदेश दोनों में देश के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों को देखते हैं। ट्रम्प ने बार-बार ग्रीनलैंड और पनामा नहर पर श्कब्जाश करने का वादा किया है, इन दोनों क्षेत्रों पर नजर रखने के उनके बयानों के लिए अक्सर अंतरराष्ट्रीय आलोचना होती है। ट्रम्प के संबोधन के सबसे प्रभावशाली तत्वों में से एक पनामा नहर को पुनः प्राप्त करने की उनकी दृढ़ प्रतिज्ञा थी, जो एक रणनीतिक जलमार्ग है जिसे 1999 में कार्टर प्रशासन के दौरान हुई एक संधि के तहत पनामा को सौंप दिया गया था। अपने भाषण में, ट्रम्प ने अपने लंबे समय से चले आ रहे दावे को दोहराया कि नहर को ष्दे दिया गयाष और इसके वर्तमान नियंत्रण पर नाराजगी व्यक्त की। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि नहर के कुछ बंदरगाह संचालन पर चीन का नियंत्रण है। ट्रंप ने अपने विदेश मंत्री मार्को रुबियो की सराहना की और पनामा नहर को पुनः प्राप्त करने की अपनी योजनाओं का विवरण दिया। उन्होंने कहा, "शुभकामनाएं, मार्को। अब हम जानते हैं कि अगर कुछ गलत हुआ तो किसे दोषी ठहराया जाए।" ट्रंप ने यह भी कहा कि "हमें ग्रीनलैंड चाहिए।" अपने पहले कार्यकाल से ही ट्रंप ने ग्रीनलैंड को हासिल करने में रुचि दिखाई है, जो डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क नाटो का संस्थापक सदस्य है। राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड के अपने भविष्य को स्वयं निर्धारित करने के अधिकार का समर्थन करता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और उन्हें समृद्ध बनाने के लिए वह देश का अमेरिका में "स्वागत" करेंगे। उन्होंने ग्रीनलैंड के बारे में कहा, मुझे लगता है कि हम इसे हासिल कर लेंगे। किसी न किसी तरह, हम इसे हासिल कर लेंगे। इसके अलावा, ट्रम्प ने कहा कि उनके प्रशासन ने महत्वपूर्ण जलमार्ग पर नियंत्रण हासिल करने के लिए पहले ही काम करना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने कहा, ष्हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को और बढ़ाने के लिए, मेरा प्रशासन पनामा नहर पर दोबारा कब्ज़ा करेगा और हमने ऐसा करना शुरू भी कर दिया है।ष इस बीच, अमेरिकी संपत्ति प्रबंधक ब्लैकरॉक ने घोषणा की कि वह हांगकांग स्थित एक फर्म से नहर के दोनों छोर पर स्थित दो बंदरगाह खरीदेगा, जिसके स्वामित्व पर पहले ट्रम्प की नाराजगी थी।

पाकिस्तान में छावनी पर आत्मघाती हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के बन्नू में मंगलवार को मुख्य छावनी की चाहरदीवारी में विस्फोटकों से लदे दो वाहन घुस गए और आत्मघाती हमले को अंजाम दिया जिसमें कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई तथा 16 घायल हो गए। सेना के जवानों ने कम से कम छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।